सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

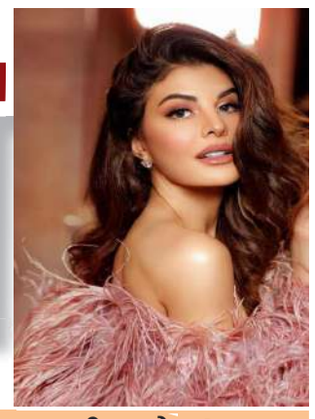

बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय तेज गेंदबाजों को देना होगा लाइन और लेंथ पर ध्यान -पेज: 7

इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में अवॉर्ड मिलना स्मान की बात है -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 80 | शनिवार 28 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू, हजारों श्रद्धालु उमड़े, चप्पे-चप्पे की निगरानी कर रही पुलिस

अहमदाबाद (एजेंसी): भगवान जगन्नाथ की 148वीं रथयात्रा शुक्रवार सुबह अहमदाबाद में शुरू हुई, जिसमें हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए उमड़े। भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के रथों को सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार खलासी समुदाय ने शहर के जमालपुर क्षेत्र में स्थित जगन्नाथ मंदिर से बाहर निकाला। तीन रथों की भव्य शोभायात्रा 400 वर्ष पुराने मंदिर से शुरू हुई और पुराने शहर से होते हुए इसके रात आठ बजे तक लौटने की उम्मीद है। यह यात्रा जिन इला अहमदाबाद रथ यात्रा के लिए पुलिस की कड़ी सुरक्षा है, पुलिस ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मंदिर पहुंच चुके हैं और ड्रोन और एआई तकनीक की मदद से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम भी रथ यात्रा में शामिल हुई अहमदाबाद में रथ यात्रा पारंपरिक मार्ग से ही निकल रही है। रथ यात्रा में 10 ट्रक, 30 अखाड़े और 18 भजन

भगवान जगन्नाथ की 148वीं रथयात्रा शुक्रवार सुबह अहमदाबाद में शुरू हुई, जिसमें हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए उमड़े। भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के रथों को सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार खलासी समुदाय ने शहर के जमालपुर क्षेत्र में स्थित जगन्नाथ मंदिर से बाहर निकाला।

मंडलियां हिस्सा लेंगी। लोगों की सुरक्षा के लिए क्राइम ब्रांच की टीम 45 ड्रोन से नजर रखेगी। 30 निजी ड्रोन भी मार्ग पर कड़ी नजर रख रहे। रथ यात्रा मार्ग पर कड़ी पुलिस सुरक्षा का इंतजाम किया जाएगा। रथ यात्रा मार्ग पर 3,200 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही। रथ यात्रा के प्रमुख बिंदुओं पर एंटी ड्रोन तैनात किए गये। 3,200 हिस्ट्रीशीटरों का डेटा रखने वाले कैमरे लगाए गये है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उनके परिवार के सदस्यों ने जगन्नाथ मंदिर में सुबह पूजा में भाग लिया, जबकि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पहिंद विधि की, जो सोने की झाड़ू से सड़कों की प्रतीकात्मक सफाई की एक पारंपरिक रस्म है। शोभायात्रा में आमतौर पर 18 हाथी, 100 ट्रक, भान-मंडली (भक्ति समूह) और 30 अखाड़े (स्थानीय व्यायामशालाएं) शामिल होते हैं। यह शोभायात्रा आज 16 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। कई ट्रकों को अलग-अलग थीम पर झांकियों के रूप में सजाया गया है। पूरे दिन भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन के दर्शन के लिए मार्ग के दोनों ओर लाखों श्रद्धालुओं के एकत्र होने की उम्मीद है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने शोभायात्रा के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। वार्षिक रथयात्रा की सुरक्षा के लिए शहर में लगभग 23,800 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इस रथयात्रा में 14-15 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, भगदड़ जैसी स्थितियों को रोकने के लिए पहली बार कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि एआई आधारित प्रणाली मार्ग में आग लगने की स्थिति में पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित करेगी। इसके अलावा यह किसी विशेष क्षेत्र में बहुत अधिक लोगों के एकत्र होने पर पुलिस नियंत्रण कक्ष को भी सूचित करेगी। अधिकारियों ने बताया कि पूरे 16 किलोमीटर के मार्ग पर शोभायात्रा के साथ करीब 4,500 सुरक्षाकर्मी चलेंगे, जबकि यातायात प्रबंधन के लिए 1,931 कर्मियों को तैनात किया जाएगा। कई सड़कें सामान्य यातायात के लिए बंद रहेंगी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नियंत्रण कक्ष से जुड़े 2,872 बॉडी-वॉर्न कैमरों, 41 ड्रोन और विभिन्न स्थानों पर लगाए गए

हरियाणा के सीएम सैनी का बड़ा ऐलान, जल्द ही ग्रुप-डी के 7,500 पदों पर करेंगे नियुक्तियां

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ग्रुप डी के लगभग 7500 पदों पर ज्वाइनिंग करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री वीरवार को हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी देने के लिए बुलाई गई पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। सी.ई.टी. के बारे पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष सी.ई.टी. परीक्षा के लिए लगभग 13 लाख 48 हजार युवाओं ने पंजीकरण करवाया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष यह संख्या लगभग 11 लाख थी। सरल पोर्टल के सर्वर पर अधिक लोड होने के कारण कुछ दिक्कतें आई थी, फिर भी 3 लाख से अधिक बी. सी. ए व बी और लगभग 3 लाख अनुसूचित जाति के युवाओं ने पोर्टल से जातिप्रमाण पत्र डाऊनलोड कर सी.ई.टी. के लिए पंजीकरण किया है। उन्होंने कहा कि जो युवा जाति प्रमाणपत्र नहीं बनवा पाए, वे भी परीक्षा दे सकेंगे। अन्य प्रक्रिया साथ-साथ पूरी कर ली जाएगी। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मौजूदा आवश्यकताओं के अनुरूप अपने-अपने विभागों के पदों का रैशनेलाइजेशन कर मांग पत्र एच.एस.सी.सी. को भेजें। कुछ पद ऐसे हैं, जिनकी आज जरूरत नहीं है और कुछ नए पद भी सृजित किए जाने हैं, जिनकी आज के समय में जरूरत है।

रास्तें में बंद हुई सीएम मोहन यादव के काफिले की 19 गाड़ियां, डीजल की जगह भरा पानी

भोपाल (एजेंसी): मुख्यमंत्री मोहन यादव के काफिले में शामिल 19 गाड़ियां अचानक रास्ते में बंद हो गईं, जिससे अफरा-तफरी मच गई। यह घटना उस वक्त हुई जब रतलाम में एक इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव का आयोजन चल रहा था। शुरूआत में इसे सामान्य तकनीकी खराबी माना गया, लेकिन जब जांच हुई तो हैरान करने वाला मामला सामने आया – इन गाड़ियों में जो डीजल भरा गया था, उसमें पानी मिला हुआ था। कहां से भरवाया गया था डीजल? जांच में सामने आया कि सभी गाड़ियों में डीजल डोसीगांव स्थित एक पेट्रोल पंप से भरवाया गया था। इसके बाद जब एक-एक कर गाड़ियां रास्ते में बंद होनी शुरू हुईं, तो प्रशासन सतर्क हुआ। गाड़ियों की मैकेनिकल जांच

के दौरान पता चला कि ईंधन में भारी मात्रा में पानी मिला हुआ है। 20 लीटर डीजल में निकला 10 लीटर पानी! अधिकारियों ने जब डीजल के सैंपल की जांच की, तो पाया कि 20 लीटर डीजल में करीब 10 लीटर पानी मिला हुआ था। यही स्थिति काफिले की लगभग सभी गाड़ियों में देखी गई। सिर्फ सरकारी वाहन ही नहीं, एक निजी ट्रक ड्राइवर ने बताया कि उसने 200 लीटर डीजल भरवाया था, और उसका ट्रक भी थोड़ी दूरी पर जाकर बंद हो गया। बारिश या लापरवाही? क्या है वजह प्रशासन का कहना है कि बारिश की वजह से डीजल टैंक में पानी घुसने की आशंका है, लेकिन यह भी सवाल उठ रहे हैं कि पेट्रोल पंप पर ईंधन की क्वालिटी जांचने के इंतजाम क्या हैं? क्या आम लोगों को भी ऐसा ही मिलावटी डीजल दिया जा रहा है? तत्काल कार्रवाई: पेट्रोल पंप सील घटना सामने आते ही प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पेट्रोल पंप को सील कर दिया है। साथ ही डीजल के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। कलेक्टर और जिला प्रशासन की टीम पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। अब आगे क्या? प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने ईंधन आपूर्ति की निगरानी प्रणाली और पेट्रोल पंपों पर निरीक्षण व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वोटर लिस्ट सत्यापन को लेकर बोले तेजस्वी बोले, नीतीश और मोदी डरे हुए हैं

बिहार (एजेंसी): भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्देश जारी किए हैं। इसका मतलब है कि बिहार के लिए मतदाता सूची नए सिरे से तैयार की जाएगी। अब इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े किए है। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की घोषणा की है। इसका मतलब है कि 8 करोड़ बिहारियों की मतदाता सूची को दरकिनार कर दिया गया है और एक नई सूची बनाई जाएगी। तेजस्वी से सवाल किया कि चुनाव से 2 महीने पहले ऐसा क्यों किया जा रहा है? क्या 25 दिनों के भीतर आठ

तेजस्वी से सवाल किया कि चुनाव से 2 महीने पहले ऐसा क्यों किया जा रहा है? क्या 25 दिनों के भीतर आठ करोड़ लोगों की मतदाता सूची बनाना संभव है?

करोड़ लोगों की मतदाता सूची बनाना संभव है? मांगे गए दस्तावेज ऐसे हैं जो गरीबों के पास शायद ही हों। हमारा प्रतिनिधिमंडल इस मामले को लेकर चुनाव आयोग से संपर्क करेगा। सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी डरे हुए हैं। वे चाहते हैं कि गरीबों का नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाए। वे समाज के गरीब तबके से वोट देने का अधिकार छीनना चाहते हैं। कांग्रेस ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे राज्य मशीनरी का इस्तेमाल करके मतदाताओं को जानबूझकर बाहर करने का जोखिम है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहाँ अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। आपको बता दें कि सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र प्रस्तुत करना होगा, तथा 2003 के बाद पंजीकृत मतदाताओं को आयोग द्वारा निर्दिष्ट दिशा-निदेर्शों और अनुसूची के अनुसार अपनी नागरिकता सिद्ध करने वाले दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे।

लाखों लोगों के वोटिंग का हक छिनने का खतरा, वोटर लिस्ट की गहन जांच पर कांग्रेस का विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस ने गुरुवार को बिहार में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध करते हुए कहा कि इससे राज्य मशीनरी का उपयोग करके मतदाताओं के जानबूझकर सूची से बाहर होने का जोखिम है। कांग्रेस के नेताओं और विशेषज्ञों के सशक्त कार्रवाई समूह (ईगल) ने एक बयान में कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूचियों का यह पुनरीक्षण ऐसा इलाज है जो बीमारी से भी बदतर है। कांग्रेस ने जताया विरोधकांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर बयान साझा किया। बयान में नेताओं ने कहा कि बिहार और कुछ अन्य राज्यों में संशोधन की कवायद करके निर्वाचन आयोग ने स्वीकार किया है कि मतदाता सूचियों में सब कुछ ठीक नहीं है। कांग्रेस बिहार चुनावों और उसके बाद अन्य राज्यों में चुनाव आयोग के

गहन पुनरीक्षण प्रस्ताव का दृढ़ता से विरोध करती है। कांग्रेस ने कहा, संशोधन का मतलब है कि चुनाव आयोग बिहार में हर घर का दौरा करेगा और पहचान व आवासीय दस्तावेज के सत्यापन के बाद हर पात्र मतदाता को फिर से नामांकित करेगा। सरल शब्दों में, चुनाव आयोग वर्तमान मतदाता सूची को पूरी तरह से खत्म करना चाहता है और राज्य के लिए एक नई मतदाता सूची बनाना चाहता है। लाखों संघ और राज्य सरकार के अधिकारी अब तय करेंगे कि किसके पास सही दस्तावेज हैं व किसके पास नहीं और आगामी बिहार चुनावों में किसे वोट देना है।

'एक देश नहीं चाहता आतंकवाद पर हो बात, जयशंकर ने पाकिस्तान की खोली पोल; राजनाथ के फैसले का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हाल के दिनों में चीन के दौरे पर रहे। यहां पर उन्होंने एससीओ बैठक में हिस्सा लिया। हालांकि, इस दौरान एससीओ बैठक में संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। अब राजनाथ सिंह के इस कदम को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सही ठहराया है। दरअसल, एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एससीओ का एक सदस्य देश संयुक्त बयान में आतंकवाद का कोई उल्लेख नहीं करना चाहता था, जबकि संगठन का गठन आतंकवाद से लड़ने के उद्देश्य से किया गया था। जानिए क्या बोले एस जयशंकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए बताया कि जब संगठन का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद से लड़ना है और आप इसका उल्लेख करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं, तो उन्होंने (राजनाथ सिंह) इसे स्वीकार करने में अनिच्छा व्यक्त की। वहीं,

उन्होंने उस देश का नाम नहीं बताया जो परिणाम वक्तव्य में आतंकवाद का उल्लेख नहीं चाहता था। लेकिन उन्होंने पाकिस्तान पर परोक्ष कटाक्ष करते हुए कहा कि आप अनुमान लगा सकते हैं कि कौन सा देश ऐसा है। सर्वसम्मति से चलता है एससीओ विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि एससीओ सर्वसम्मति से चलता है। इसलिए राजनाथ जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर बयान में आतंकवाद का उल्लेख नहीं है, तो हम इस पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से किया इनकार जानकारी दें कि चीन के किंगदाओ की यात्रा पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने इस दौरान आतंकवाद संबंधी चिंताओं, विशेष रूप से 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे, के समाधान में विफलता का हवाला दिया था। बताया जा रहा है कि संयुक्त वक्तव्य में पहलगाम हमले का उल्लेख नहीं किया गया, लेकिन इसमें 11 मार्च को बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी द्वारा पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस अपहरण का उल्लेख किया गया। वहीं, राजनाथ सिंह के इस कदम से एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में संयुक्त विज्ञप्ति जारी नहीं की जा सकी। एससीओ की बैठक में ये देश हैं शामिल बता दें कि एससीओ के सदस्य देश में भारत के अलावा कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस हैं। भारत 2017 में एससीओ का सदस्य बना और 2023 में रोटेशनल चेयरमैन का पद ग्रहण किया।

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर आरएसएस की मांग, कहा- संविधान की प्रति लेकर घूमने वालों को मांगनी पड़ेगी पूर्वजों के नाम पर माफी

नई दिल्ली (एजेंसी): आपातकाल के 50 वर्ष पूरा होने के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को हटाने की मांग की है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि आपातकाल के दौरान जब देश में मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा था, संसद और न्यायालय दोनों पंगु थे, तब इन शब्दों को जोड़ा गया। उनके अनुसार, बाबा भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की प्रस्तावना में ये शब्द शामिल नहीं थे। होसबाले गुरुवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) के सहयोग से आयोजित 'इमरजेंसी के 50 साल' कार्यक्रम में बोल रहे थे। इन शब्दों को हटाने पर दिया जोर उन्होंने कहा कि समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने के लिए चर्चा तो हुई, लेकिन उन्हें निकालने के प्रयास नहीं किए गए। यह विचार करने की आवश्यकता है कि क्या ये शब्द संविधान की प्रस्तावना में शाश्वत हो गए हैं। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना में इन शब्दों के रखे जाने के पीछे के उद्देश्यों और उन्हें हटाने पर विचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सरकार्यवाह ने कहा कि आपातकाल की कई बातें हैं, जिनकी समीक्षा की जानी चाहिए। राहुल गांधी पर साधा निशाना इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर लक्ष्य किया और कहा

कि आज जो लोग संविधान की प्रति लेकर घूम रहे हैं, उन्होंने आपातकाल के बारे में हिंदुस्तान के लोगों से माफी नहीं मांगी है। उन्हें माफी मांगनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि एक लाख से अधिक लोगों को जेल में डालने,

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को हटाने की मांग की है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि ये शब्द आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे

250 पत्रकारों को गिरफ्तार करने और 60 लाख लोगों को बंध्याकरण के लिए मजबूर करने वाले लोगों को देश से माफी मांगनी चाहिए। सरकार्यवाह ने कहा कि आज जब हम आपातकाल के 50 वर्ष मना रहे हैं, तो यह विचार करना चाहिए कि आपातकाल के पीछे के कारण क्या थे। भविष्य में न्यायपालिका को पंगु नहीं होना चाहिए और शासन-प्रशासन को बेलगाम नहीं होना चाहिए। मीडिया और समाज संगठनों की भूमिका पर भी विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने 2000 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान लोकतंत्र के 50 वर्ष पूरे होने पर संस्कृति मंत्रालय द्वारा किए गए विमर्श का उल्लेख किया, जिसमें शिक्षा, प्रशासनिक पद्धति, न्यायालय की पद्धति, चुनाव में सुधार और विकास के मॉडल पर चर्चा की गई थी। नितिन गडकरी का राहुल पर निशाना उन्होंने कहा कि बदलाव के वास्तविक मुद्दों को भूलकर केवल आपातकाल का जाप करना उचित नहीं है, बल्कि इसके कारणों की भी समीक्षा होनी चाहिए और व्यवस्था में सुधार किया जाना चाहिए। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि आज जो लोग संविधान बदलने की बात कर रहे हैं, उन्हीं की इंदिरा गांधी सरकार ने आपातकाल में संविधान की धज्जियां उड़ाने का काम किया।

संपादकीय

खतरे की घंटी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस्राइल-ईरान के दरम्यान अस्थाई युद्धविराम के राजी होने के ऐलान के कुछ देर बाद ही हमले पुनः चालू हो गए। ईरानी सेना का आरोप है कि ऐलान के कुछ देर बाद ही इस्राइल की तरफ से हवाई हमलों की बौझार शुरू हो गई जिसमें चार की जान गई जबकि इस्राइल का कहना है कि ईरान की तरफ से दो मिसाइलें दागी गई जिन्हें उसने निष्क्रिय कर दिया। हालांकि ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल अपने लड़ाकू विमान वापस बुलाएगा और वह ईरान में शासन परिवर्तन की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। परंतु हमलों के जारी रहने के बाद देर शाम अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट से पता चला कि परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों से ईरान का कार्यक्रम नष्ट नहीं हुआ है जबकि व्हाइट हाउस ने खंडन करते हुए इसे पूरी तरह गलत कहते हुए इसे ट्रंप को नीचा दिखाने का प्रयास बताया। रिपोर्ट के अनुसार कुछ ढांचे नष्ट या क्षतिग्रस्त हुए हैं। मगर ज्यादातर सेंट्रीफ्यूज सुरक्षित हैं। शीर्ष अधिकारी पहले ही दावा कर रहे थे कि ईरान ने संवर्धित यूरेनियम का कुछ हिस्सा अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया था। ट्रंप इसे फेक न्यूज बता रहे हैं। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने एक न्यूज चैनल से कहा, यह देशद्रोह है, इसकी जांच होनी चाहिए। हमलों के बावजूद इस्राइल और ईरान के मीडिया अपने-अपने देशों की विजय का दावा कर रहे हैं। ईरान पहले ही अमेरिका को चेता चुका था। तनाव की स्थिति में कहना जल्दबाजी होगी कि खतरा टल गया है। इराक, बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन, सीरिया, कतर जैसे देशों में अपने सैन्य अड्डे ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों की रेंज में आने के कारण अमेरिका के लिए चिंताजनक स्थिति बनी हुई है। वास्तव में यदि दोनों पक्ष युद्धविराम का उल्लंघन करने पर तुले हैं तो यह योजनाबद्ध प्रतिशोध वैश्विक चेतावनी का सूचक है। ट्रंप के ट्रुथ सोशल पर लिखने, कि इस्राइल बम मत गिराओ इसे उल्लघंन माना जाएगा, को इतिहास में अमेरिका की तरफ से सबसे कड़ी फटकार मानी जा रही है। परंतु इस सारे मसले में अमेरिका को स्वार्थ त्याग कर स्पष्ट रूप से विश्व शांति के प्रयास करने चाहिए। अगर वह महाशक्ति है तो चीन/रूस भी अपने कदम पीछे लौटाने की बजाए संघर्ष को प्राथमिकता देंगे। ट्रंप के आलोचक उनके इस कदम को न सिर्फ जोखिम भरा कह रहे हैं, बल्कि युद्ध शक्ति अधिनियम का उल्लंघन भी ठहरा रहे हैं। बेशक, खतरा टला नहीं है।

चिंतन-मनन

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था।......

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम स्वंय हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख।

इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो।

ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हिन्दी का किसी क्षेत्रीय भाषा से कोई संघर्ष नहीं है....

सुनील कुमार महला

भारत विश्व का एक ऐसा देश है, जहां भाषाओं की विविधता पाई जाती है। यहां अलग-अलग समूहों द्वारा अनेक भाषाएं बोली,पढ़ी,लिखी व समझी जाती हैं, लेकिन भारत के संविधान में हिंदी को भारत की राजभाषा (यानी कि आफिशियल लैंग्वेज) का दर्जा प्राप्त है। गौरतलब है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार, देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है। यह(हिंदी)भारत की मातृभाषा भी है तो भारत की प्रथम राजभाषा भी। गौरतलब है कि भारत की द्वितीय राजभाषा अंग्रेजी है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2011 की भाषायी जनगणना के अनुसारः भारत में 121 मातृभाषाएँ हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार 55% आबादी हिंदी को या तो मातृभाषा के रूप में या अपनी दूसरी भाषा के रूप में जानती है तथा आज दुनिया में लगभग 60-65 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, जिससे यह विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है।

सच तो यह है कि अंग्रेजी और मंदारिन(मंडारिन) चीनी के बाद हिंदी का स्थान प्रमुख है। हिंदी न केवल भारत में, बल्कि आज विश्व के कई अन्य देशों जैसे कि नेपाल, मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, और पाकिस्तान में भी बोली, पढ़ी, लिखी और समझी जाती है और विश्व के बहुत से देशों ने आज हिंदी के महत्व,इसकी वैज्ञानिकता,इसकी दमदार शब्दावली को सहज ही स्वीकार किया है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1971 से वर्ष 2011 के बीच हिंदी बोलने वालों की संख्या 2.6 गुना बढ़कर 20.2 करोड़ से 52.8 करोड़ हो गई। वर्ष 2011 के बाद से अब तक इस संख्या में बहुत अधिक इजाफा हुआ है और यह हम सभी को गौरवान्वित महसूस कराता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव छोड़ रही है और निरंतर आगे बढ़ रही है। हाल ही में यानी कि 26 जून 2025 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हमारे देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार के राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने यह बात कही कि 'हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है।'

बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे देश में भाषा को लेकर तरह-तरह की राजनीति की जाती है, इसे कदापि ठीक व जायज नहीं ठहराया जा सकता है। इससे बड़ी विडंबना की व दुःखद बात भला और क्या हो सकती है कि आज भाषाओं को लेकर कहीं भी कोई न कोई जुबानी जंग छिड़ जाती है। हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि लोगों को आपस में जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भाषा को ही माना जाता है और हिंदी हमारे देश की वह भाषा है, जो सदियों सदियों से हमारे देश भारत को एकता व अखंडता के सूत्र में पिरोए हुए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि हिंदी किसी भी भाषा की विरोधी कतई नहीं है। हिंदी वह भाषा है, जिसमें हमारे देश की सनातन संस्कृति की झलक मिलती है, तथा यह हमारे सामाजिक ताने-बाने को मजबूत व सुदृढ़ रखे हुए है, स्वतंत्रता के पूर्व से लेकर, हमारे देश की स्वतंत्रता प्राप्ति और इसके बाद भी निरंतर अब तक हिंदी अपनी संस्कृतनिष्ठता,व्यवस्थितता और अपने लचीलेपन से इसका प्रयोग ज्ञान-विज्ञान से लेकर साहित्य, और संचार के विभिन्न माध्यमों में लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है, जो हमें गौरवान्वित करती है। हमें अपनी मां बोली हिंदी पर या यूं कहें कि अपनी मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए। हम अंग्रेजी का विरोध नहीं करें, क्यों कि कोई भी भाषा कभी भी अच्छी बुरी नहीं हो सकती है?। सभी भाषाओं का अपना-अपना महत्व है।

इसलिए हमें यह चाहिए कि हम सभी भाषाओं या ज्यादा से ज्यादा भाषाओं को सीखने का प्रयास करें, यह हमारे ज्ञान में बढ़ोत्तरी करेगा वहीं व्यवहार में भी ये भाषाएं हमारे कहीं न कहीं अवश्य काम में आयेंगी, लेकिन हमें यह चाहिए कि भारत के निवासी होते हुए हम सबसे ज्यादा तवज्जो अपनी मातृभाषा हिंदी को दें। अपनी मातृभाषा को छोड़कर,उसे तिलांजलि देकर, दूसरी भाषाओं को अपनाकर, या उन्हें सीखकर हम कभी भी आगे नहीं बढ़ सकते, क्यों कि जो बात हम अपनी मातृभाषा में सहजता और सरलता से कह सकते हैं, अभिव्यक्ति दे सकते हैं,वह शायद विश्व की किसी अन्य भाषा में नहीं। हिंदी भाषा भारत की विविध संस्कृतियों को एकजुट करने और सामाजिक एकीकरण की भावना पैदा करने में एक सेतु का काम करती है। महात्मा गांधी जी ने राष्ट्रभाषा के बारे में यह बात कही है कि 'राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।' हिंदी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है।आर्यों की सबसे प्राचीन भाषा हिन्दी ही है और इसमें तद्भव शब्द सभी भाषाओं से अधिक है। आज भाषा के नाम पर राजनीति होती है, यह बहुत ही गलत है। जापानियों ने जिस ढंग से विदेशी भाषाएँ सीखकर अपनी मातृभाषा को उन्नति के शिखर पर पहुँचाया है उसी प्रकार हमें भी मातृभाषा (हिंदी) का भक्त होना चाहिए। हाल फिलहाल, पाठकों को बताता चलूं कि राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान हमारे गृहमंत्री जी ने भी यह बात कही है कि 'किसी भी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए।' वास्तव में हमें यह चाहिए कि हम मातृभाषा में सोचने, बोलने के साथ-साथ उसे अभिव्यक्त करने की भावना को भी प्रोत्साहित करें।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में यह कहा है कि '...पिछले कुछ दशकों में भाषा का इस्तेमाल भारत को बांटने के साधन के रूप में किया गया। वे इसे तोड़ नहीं पाए, लेकिन प्रयास किए गए। हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारी भाषाएं भारत को एकजुट करने का सशक्त माध्यम बनें।' महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए गए, तमिलनाडु ने तो जैसे हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल रखा है। वास्तव में यह बहुत दुखद है, ऐसा नहीं होना चाहिए। आज भारत दुनिया का एक मात्र ऐसा देश है, जहां राजभाषा के लिए एक अलग विभाग है तथा इसके कार्यान्वयन के लिए अधिकारी व हिंदी अनुवादक मौजूद हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण कहीं अन्यत्र देखने को नहीं मिलता। हम हमारे ही देश में भाषा की लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि आज संचार की भाषा हिन्दी है, बाजार और सिनेमा से लेकर आज कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां हिंदी का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। हमें यह चाहिए कि हम किसी विदेशी भाषा का विरोध कतई नहीं करें। भारत के वासी होते हुए हमारा यह परम कर्तव्य बनता है कि हम आग्रह अपनी भाषा(हिंदी) के गौरव का करें। जैसा कि केंद्रीय गृह मंत्री जी ने कहा है कि 'आग्रह अपनी भाषा में सोचने का होना चाहिए। हमें गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना चाहिए।' सच तो यह है कि जब तक हम अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेंगे, अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेंगे, तब तक हम गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकते हैं।

ड़ीएमड़ी रोगः लाइलाज बीमारी से जूझते बच्चे

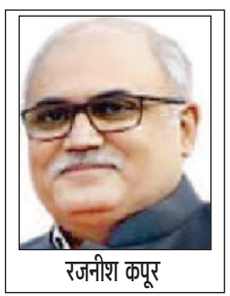

रजनीश कपूर

ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) एक ऐसी दुर्लभ और लाइलाज जेनेटिक बीमारी है, जो मुख्य रूप से लड़कों को प्रभावित करती है। यह बीमारी मांसपेशियों को धीरे-धीरे कमजोर करती है, जिससे रोगी का चलना-फिरना, सांस लेना और अंततः जीवित रहना मुश्किल हो जाता है। भारत में हर 3500 पुरुष जन्मों में से एक बच्चा इस बीमारी का शिकार होता है। इसका इलाज इतना महंगा है कि यह सामान्य परिवारों की पहुंच से बाहर है। ऐसी ही एक मार्मिक कहानी है अमृतसर के जंडियाला गुरु निवासी हरप्रीत सिंह और उनकी पत्नी कीङ्क जो अपने 9 वर्षीय बेटे इशमीत को बचाने के लिए दिन-रात संघर्ष कर रहे हैं। इशमीत को डीएमडी है और उसके इलाज के लिए 27 करोड़ रुपये की जरूरत है, एक ऐसी राशि जो किसी सामान्य परिवार के लिए असंभव-सी प्रतीत होती है।

हरप्रीत सिंह भारतीय सेना में सैनिक हैं और उनकी पत्नी का जीवन तब तक सामान्य था, जब तक उनके इकलौते बेटे इशमीत में कुछ असामान्य लक्षण दिखाई नहीं दिए। इशमीत जब चार साल का था तब उसके माता-पिता ने देखा कि वह ठीक से चल नहीं पाता, बार-बार गिरता है और अन्य बच्चों की तरह दौड़-भाग नहीं कर पाता। शुरू में उन्होंने इसे सामान्य कमजोरी समझा, लेकिन जब लक्षण बढ़ने लगे तो वे उसे स्थानीय डॉक्टरों के पास ले गए। कई जांचों और अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद, दिल्ली के एम्स में डॉक्टरों ने पुष्टि की कि इशमीत डीएमडी से पीड़ित है। डीएमडी एक अनुवांशिक बीमारी है, जो डिस्ट्रोफिन जीन में उत्परिवर्तन के कारण होती है। यह जीन शरीर में डिस्ट्रोफिन प्रोटीन का निर्माण करता है, जो मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए जरूरी होता है। इस प्रोटीन की कमी से मांसपेशियां कमजोर होकर धीरे-धीरे नष्ट हो जाती हैं। डीएमडी से पीड़ित बच्चों की औसत आयु 11 से 21 वर्ष तक होती है और ज्यादातर मरीज किशोरावस्था के अंत तक व्हीलचेयर पर निर्भर हो जाते हैं। जब हरप्रीत को पता चला कि उनके बेटे का इलाज संभव है तो उनके चेहरे पर उम्मीद की किरण जगी। एम्स के डॉक्टरों ने बताया कि अमेरिका में एक जीन थेरेपी उपलब्ध है, जिसमें एक विशेष इंजेक्शन जोल्जेंस्मा (या समकक्ष दवा) के जरिए डीएमडी का इलाज किया जा सकता है। डॉक्टरों ने आश्वासन दिया कि यह इंजेक्शन इशमीत को पूरी तरह स्वस्थ कर सकता है, लेकिन इस उम्मीद के साथ एक ऐसी सच्चाई भी सामने आई जिसने परिवार को हताश कर दिया। इस इंजेक्शन की कीमत 27 करोड़ रुपये है। हरप्रीत सिंह ने अपनी सारी जमा-पूंजी, जमीन, और अन्य संसाधनों को बेचने की कोशिश की, लेकिन इससे भी इस राशि का एक छोटा सा हिस्सा ही जुट पाया। भारत में डीएमडी का कोई किफायती इलाज उपलब्ध नहीं है और स्टेरॉयड जैसी दवाएं केवल लक्षणों को कुछ समय के लिए नियंत्रित कर सकती हैं, जिनके गंभीर दुष्प्रभाव भी हैं। हरप्रीत और उनकी पत्नी ने अपने बेटे को बचाने के लिए क्राउड फंडिंग का सहारा लिया। सोशल मीडिया, स्थानीय समुदाय और विभिन्न संगठनों के माध्यम से उन्होंने लोगों से मदद की अपील की। उनकी मेहनत रंग लाई और अब तक करीब दो करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं, लेकिन अभी भी पच्चीस करोड़ रुपये की जरूरत है और समय तेजी से बीत रहा है। डीएमडी जैसी दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए भारत में कोई ठोस नीति या सरकारी सहायता नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 2021 में दिल्ली हाईकोर्ट में बताया था कि देश में करीब पांच लाख लोग डीएमडी से पीड़ित हैं और प्रत्येक मरीज के इलाज पर सालाना पांच करोड़ रु पये का खर्च आता है, लेकिन बजट की कमी के कारण सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा पा रही। हरप्रीत ने कई बार सरकार से मदद की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिले। डीएमडी के मरीजों के लिए न तो मुफ्त दवाएं उपलब्ध हैं, न ही फिजियोथेरेपी जैसी सहायक सेवाएं। ऐसे में परिवार अकेले ही इस जंग को लड़ने के लिए मजबूर हैं। डीएमडी के बारे में भारत में जागरूकता का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। बहुत कम लोग इस बीमारी को समझते हैं, जिसके कारण मरीजों और उनके परिवारों को सामाजिक समर्थन नहीं मिल पाता। 2023 में दिल्ली के जंतर-मंतर पर डीएमडी जागरूकता के लिए एक रैली निकाली गई थी जिसमें

21 राज्यों से करीब 500 परिवार शामिल हुए। इस रैली में माता-पिता ने सरकार से सस्ती दवाओं, शोध के लिए फंड और मुफ्त इलाज की मांग की थी। हरप्रीत जैसे परिवारों का मानना है कि अगर समाज इस बीमारी को समझे और सरकार इसमें शोध को प्रोत्साहित करे, तो शायद भविष्य में इलाज किफायती हो सके। हरप्रीत और उनकी पत्नी की कहानी यह सवाल उठाती है कि क्या भारत में, जहां स्वास्थ्य सेवाएं चुनौतियों से भरी हैं, दुर्लभ बीमारियों के मरीजों को जीने का हक मिलेगा? यह न केवल ह्रदयविदारक है, बल्कि यह समाज और सरकार के लिए एक आंख खोलने वाली सीख भी है। डीएमडी से जूझ रहे बच्चों के लिए जागरूकता, शोध और किफायती इलाज की जरूरत है।

प्रकृति एवं जीवन रक्षा के लिये नदियों का संरक्षण जरूरी

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। नदियों के सूखने और प्रदूषित होने के कारणों में मुख्य हैं, अत्यधिक पानी का दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन। नदियां जीवन का आधार है, लेकिन तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब ह्यमृतह्ल होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। नदियां के अत्यधिक खतरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की।

देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। ओडिशा में कई नदियां सूख रही हैं और प्रदूषित हो रही हैं, जिससे वहां के पर्यावरण और लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

महानदी बचाओ आंदोलन और ओडिशा नदी सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित ओडिशा नदी सुरक्षा सम्मेलन में राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सरकार से एक समग्र नदी नीति बनाने एवं ओडिशा एवं अन्य प्रांतों की नदियों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की पुरजोर मांग उठी। पर्यावरणविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा, 'ओडिशा की कई नदियां मरने के कगार पर हैं। अगर नदियों का स्वास्थ्य नहीं सुधरा, तो मानव का स्वास्थ्य भी नहीं बचेगा।' बात केवल ओडिशा की ही नहीं है, बल्कि सभी प्रांतों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और घरेलू जरूरतों के

लिए नदियों से अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है, जिससे नदियों में पानी की कमी हो गई है। औद्योगिक कचरा, सीवेज और कृषि अपवाह नदियों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताजा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए जरूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। नदियां मरेंगी तो समाज मर जाएगा। नदियों पर खतरे के तीन बड़े कारण हैं और इन्हें पुनर्जीवन के लिए सरकारी एवं सामाजिक स्तर पर गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। देश में जनसंख्या का दबाव बढ़ने के साथ ही जमीनों की कीमतें बढ़ीं, इसके साथ ही नदी किनारे भूमि पर अतिक्रमण, सिंचाई के लिए भूजल शोषण और नगरों के गंदों नालों से बढ़ता प्रदूषण नदियों के लिए गंभीर खतरा बन गए और छोटी बड़ी तमाम नदियां सूख रही है। कई नदियां बेमौत मर गईं। केंद्र व प्रदेश की सरकार को सबसे पहले नदियों की जमीन का सीमांकन व चिह्नांकन कराने के साथ ही राजस्व नक्शे में नोटिफिकेशन करना चाहिए। तभी कुछ सुधार की संभावना है।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। अब जलवायु परिवर्तन की मार देश के दूरस्थ अंचल तक दिख रही है। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा। नदियों के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियां को संरक्षित करना जरूरी है। तालाब संरक्षण की बात तो सभी करते हैं, लेकिन आज जरूरी है कि छोटी नदियों की भी सुध ली जाए।

आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है। हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करना होगा। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल देना होगा। विनाशकारी परियोजनाओं का पदार्फाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतदेर्शीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से ऋण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अंतरराष्ट्रीय सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम दिवस (अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस) के अवसर पर सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यान तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से संबंधित माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी के लखनऊ से सजीव प्रसारण को दिखाया गया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने सीएम मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया.। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा इस अवसर पर जनपद के मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से ऋण प्राप्त करने वाले 08 लाभार्थियों को चेक और 07 लाभार्थियों को पत्र देकर सम्मानित किया और जनपद के उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश का युवा रोजगार लेने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बन रहा है। उन्होंने कहा कि जिन लाभार्थियों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त हुआ है वह पूर्ण मनोयोग से अपना उद्यम लगे इस धनराशि को किसी अन्य कार्य में खर्च न करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य के युवाओं के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना, जिसका उद्देश्य राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देना और युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, उपयुक्त उद्योग सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित लाभार्थी एवं जनपद के उद्यमी उपस्थित रहे।

गजरौला के नांगलिया अड्डे पर दुकान संचालक ने ग्राहक को पीटकर किया घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- कोतवाली क्षेत्र के नंगलिया अड्डे पर एक एक मोबाइल दुकान संचालक ने ग्राहक को बेरहमी से पीट दिया,जिससे ग्राहक बुरी तरह घायल हो गया। पीड़ित ग्राहक ने दुकान संचालक के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र गांव नंगलियां अड्डे का है जहां पर गांव निवासी अनश पुत्र नफीस अपनी मोबाइल रिपेयर की दुकान चलाता है। कुछ दिन पहले गांव घासीपुरा निवासी शोएब पुत्र सिराजुद्दीन ने उसे अपना मोबाइल रिपेयर के लिए दिया था। जिसको वह ठीक होने के बाद ले गया था।लेकिन शुक्रवार को उसका मोबाइल अचानक खराब हो गया जिसको लेकर शोएब अपने छोटे भाई शौहेल के साथ दुबारा अनश की दुकान पर पहुंचा। दुकान पर पहुंचकर उसने मोबाइल की दिक्कत के बारे में अनश को बताया जिसको लेकर दोनों में बहस हो गई। देखते ही देखते दोनों में मारपीट शुरू हो गई, जिसमें शौएब बुरी तरह घायल हो गया। मामले की सूचना किसी स्थानीय दुकानदार ने शोएब के परिजनों को दी। सूचना पर उसके परिजन मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने घायल शोएब को साथ लिया और थाने पहुंच गए। जहां उन्होंने मोबाइल दुकान संचालक के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की। पुलिस द्वारा घायल शोएब को मेडिकल के लिए सीएचसी भेजा गया और मामले में जांच पड़ताल कर उचित कार्यवाही करने की बात कही।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत,सड़क किनारे पड़ा मिला शव

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई जिसका शव सड़क किनारे पड़ा हुआ मिला जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।राह चलते लोगों की नजर जब उस पर पड़ी तो मौके पर भीड़ इकट्ठा हो।उधर सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने मृतक युवक की शिनाख्त की और उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।उधर युवक की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली के बृजघाट चौकी क्षेत्र का है जहां शुक्रवार की दोपहर गांव बिजौरा अंडर के निकट सड़क किनारे एक युवक का शव पड़ा हुआ मिला। रास्ते में आने जाने वाले राहगीरों की नजर जब उस पर पड़ी तो मौके भीड़ का जमावड़ा लग गया।उधर भीड़ में शामिल किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी, सूचना पर क्षेत्रीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने मामले की जांच पड़ताल करते हुए मृतक युवक की शिनाख्त की, जिसमें पाया गया कि मृतक युवक ऋषिपाल पुत्र मंगला निवासी फत्तेहपुर बाटुपुरा का रहने है।घटना की जानकारी देते हुए मृतक के भाई सुखराम ने बताया कि मृतक ऋषिपाल टाइल्स, पत्थर फिटिंग का काम करता था जो बृहस्पतिवार की शाम घर से निकला था,जिसकी हमें शुक्रवार को सूचना मिली कि उसका शव बिजौरा अंडरपास के निकट सड़क किनारे पड़ा है। मृतक के भाई सुखराम का कहना है कि ऋषिपाल की मौत किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है। फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी।

उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड से मिलेगी निःशुल्क पॉपकार्न मेकिंग मशीन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्राम उद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, (ग्रामोद्योग अनुभाग), लखनऊ द्वारा जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष-2025-26 में ग्रामीण क्षेत्र में पॉपकार्न बनाने वाले भुर्जी समाज के कारीगर एवं इस उद्योग में रूचि रखने वाले अन्य व्यक्तियों के लिये 10 पापकार्न मेकिंग मशीन निःशुल्क प्रदान करने के लक्ष्य निर्धारित किये गये है। निःशुल्क पॉपकार्न मेकिंग मशीन प्राप्त करने के इच्छुक परम्परागत स्वरोजगार में रुचि रखने वाले ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों द्वारा अपना आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट www.upkvib.gov.in पर लॉग-इन कर टूल किट आवंटन हेतु ऑनलाइन पंजीकरण का चयन कर आवेदन ऑनलाइन किया जा सकता है। आवेदन के साथ नवीनतम फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, राशन कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति अपलोड करना आवश्यक है। आवेदन हेतु आवेदक ग्रामीण क्षेत्र का निवासी हो तथा उसकी आयु 18 से 50 वर्ष तक हो। ऑनलाइन आवेदनकर्ता / कारीगरों का चयन निर्धारित चयन समिति द्वारा किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मालीखेड़ा रोड़, मौ० पुष्करनगर, निकट रेलवे स्टेशन, अमरोहा, जनपद अमरोहा से सम्पर्क किया जा सकता है। आवेदन पत्र ऑनलाइन प्राप्त / जमा करने की अन्तिम तिथि 15.07.2025 है।

आम जनमानस की सुरक्षा हेतु पुलिस चौकी के निर्माण की उठाई मांग...

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने शुक्रवार को उप जिलाधिकारी संभल विकास चन्द्र को ज्ञापन सोपा !

जिसमें जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि थाना असमोली के अंतर्गत मनौटा में एक नवीन पुलिस चौकी निर्माण अधीन है ! जिसका कुछ लोग जमीनी विवाद बताकर विरोध कर रहे हैं जो कि सरासर गलत है !

सरकार द्वारा यह अहम पहल की गई है, जिसका संगठन आभार व्यक्त करता है !

साथ ही अति शीघ्र पुलिस चौकी का निर्माण कराने की मांग करता है ! क्योंकि पुलिस चौकी का निर्माण होने से कानून व्यवस्था सुदृढ़ होगी एवं आम जनमानस की सुरक्षा में लाभ होगा !

साथ ही संगठन के जिला उपाध्यक्ष संभल मिंकू चौधरी ने कहा कि संगठन के उच्च पदाधिकारियो की सहमति के बाद कार्यकारिणी द्वारा निर्णय लेकर मांग पत्र सोपा गया है ! संगठन के जन्मदाता प्रोफेसर विनोद नागर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी नोएडा में प्रोफेसर है एवं राष्ट्रीय समन्वय अधिकारी हैं !

साथ ही पूर्व पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश ठाकुर विक्रम सिंह एवं सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं वर्तमान भारत सरकार के नीति आयोग के चेयर मैन के जी बालाकृष्णन संगठन से जुड़े हैं ! संगठन सरकार की तमाम लाभकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ आम जनमानस एवं किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु प्रयासरत है !

मुख्य रूप से युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, जिला महासचिव अनमोल कुमार तहसील अध्यक्ष संभल मेहंदी हसन, अमनजीत चौधरी, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष संभल सुफियान, मास्टर साबिर अली, तहसील महासचिव होराम सिंह, मो. असलम, विनोद सैनी एवं महिला कार्यकर्ता नगर महासचिव संबल आयशा राजपूत, अतलेश देवी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

आगामी त्यौहारों के सम्बन्ध में डीएम और एसपी द्वारा किया गया जुलूस मार्गों का भ्रमण व पैदल गस्त...

संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी जनपद सम्भल डॉ राजेन्द्र पैंसिया व पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार द्वारा थाना सम्भल व नखासा क्षेत्रान्तर्गत आगामी त्यौहारों श्रावण मास, कांवड़ यात्रा तथा मोहर्रम के सम्बन्ध में निकलने वाले कावड़ व जुलूस/ताजिया के मार्गों का भ्रमण कर तैयारियों/ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा कस्बा सम्भल में आर.आर.एफ व पुलिस बल के साथ अपराध नियंत्रण, कानून एवं शान्ति व्यवस्था तथा जनमानस में सुरक्षा की भावना जागृत करने के दृष्टिगत मुख्य मार्गों व अन्य भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गस्त कर आमजन से संवाद स्थापित कर जनता में सुरक्षा की भावना जागृत की गयी। तथा आगामी त्यौहारों को सद्भावपूर्ण व आपसी भाईचारे से मनाने की अपील की गयी। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) राजेश कुमार श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी सम्भल, क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

हुसैन के दर से मिलेगी दीन और दुनिया की कामयाबी- मौलाना नौगांवी

कर्बला का जिक्र सुनकर रो रहे आजादर

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- इमाम हुसैन का मर्तबा बहुत बुलंद है। अगर इंसान को दीन और दुनिया की कामयाबी चाहिए तो उसे हुसैन के दर पर आना पड़ेगा। नगर के मोहल्ला सादात स्थित इमाम बारगाहे बाबुल हवाईज में मजलिस का आयोजन किया गया। मजलिस में मर्सिया ख्वानी जीशान हैदर और उनके साथियों ने की। मजलिस को खिताब फरमाते हुए मौलाना हसन हैदर नौगांवी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने कर्बला के मैदान में अपना पूरा घर अल्लाह की राह में कुर्बान कर दिया और सजदे की हालत में खुद भी शहीद हो गए। अल्लाह ने हजरत इमाम हुसैन को आला मर्तबा अता किया है। अगर इंसान चाहता है कि उसे दीन और दुनिया की कामयाबी नसीब हो, तो उसे दरे हुसैन पर आना पड़ेगा। मजलिस में नोहा ख्वानी कल्बे अब्बास ने की। दूसरी मजलिस इमामबारगाहे अबू तालिब में आयोजित की गई। जिसमें मर्सिया ख्वानी मोहम्मद अब्बास और उनके साथियों ने की। मजलिस को हाजी अखलाक हुसैन ने खिताब फरमाया तथा नोहा ख्वानी मौ० जामिन बाकरी ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से मजलिस में मुख्य रूप से नूरुल हसन, जावेद केसर, शाने असगर, बिलाल बाकरी, अलाउद्दीन सैफी, कमर मेहंदी, हुसैन मेहंदी, जफर अब्बास, आदिल जैदी, मोहम्मद सादिक, अली चाद, सोहेल अब्बास, मोहम्मद राहिल, इब्ने अब्बास, मोहम्मद अब्बास, डॉ रशीद, सुल्तान

जिले में परिषदीय विद्यालयों में पेयरिंग का कार्य शुरू, 41 विद्यालय किए गए पेयर

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में बेसिक परिषदीय स्कूलों में अब तक 41 विद्यालय को पेयरिंग किया गया है। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका ने बताया है कि जिले से कुल 41 विद्यालयों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जिन्हें पेयरिंग के लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता को प्रेषित किया गया है। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर विद्यालयों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका ने यह भी बताया है कि जिले में और भी विद्यालय है। जिसमें छात्र संख्या कम है। उन विद्यालयों के प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि विकासखंड हसनपुर से अब तक मात्र दो ही विद्यालय के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी ने नाराजगी जताते हुए हसनपुर खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार को नोटिस जारी किया है।

जिले की हरियाली को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे: प्रभागीय वनाधिकारी एसपी सिंह

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिला उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जैव-विविधता के लिए जाना जाता है। इस जिले में वन संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने की जिम्मेदारी प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) एसपी सिंह के कंधों पर है। हाल के वर्षों में, एसपी सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व और समर्पण के साथ जिले में वन संरक्षण, वृक्षारोपण, और पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उनके प्रयासों ने न केवल स्थानीय समुदाय को प्रेरित किया है, बल्कि जिले की हरियाली को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एसपी सिंह ने अपने कार्यकाल में वन क्षेत्रों के संरक्षण और अवैध कटाई पर रोकथाम को प्राथमिकता दी है। अमरोहा जिले में कई क्षेत्रों में अवैध कटाई और वन्यजीवों के शिकार की समस्या रही है। इस चुनौती से निपटने के लिए, उन्होंने वन विभाग की टीम को सक्रिय और सतर्क बनाया। उनके नेतृत्व में, नियमित गश्त और निगरानी की व्यवस्था को और सशक्त किया गया है। इसके परिणामस्वरूप, अवैध गतिविधियों में कमी आई है। और वन क्षेत्रों की सुरक्षा में सुधार हुआ है। जिले में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान। पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में वृक्षारोपण एक महत्वपूर्ण कदम है। एसपी सिंह ने स्थानीय समुदाय, स्कूलों, और गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर कई वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए। इन अभियानों के तहत हजारों पेड़ लगाए गए, जिनमें औषधीय, छायादार, और फलदार पेड़ शामिल हैं। उन्होंने न केवल पेड़ लगाने पर जोर दिया, बल्कि उनके रखरखाव और संरक्षण को भी सुनिश्चित किया। इसके लिए उन्होंने स्थानीय लोगों को जागरूक किया और उन्हें पेड़ों की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी। एसपी सिंह ने वन्यजीव संरक्षण के लिए भी कई कदम उठाए हैं। अमरोहा के जंगलों में कई प्रजातियों के वन्यजीव निवास करते हैं, जिनमें कुछ दुर्लभ प्रजातियां भी शामिल हैं। उनके नेतृत्व में, वन्यजीवों के लिए सुरक्षित आवास सुनिश्चित करने और उनके संरक्षण के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। इसके अलावा, उन्होंने वन्यजीवों और मानवों के बीच संघर्ष को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए, जिससे स्थानीय लोगों को वन्यजीवों के महत्व को समझने में मदद मिली। पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में भी एसपी सिंह का योगदान सराहनीय है। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों में पर्यावरण संरक्षण पर कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में बच्चों और युवाओं को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने और उन्हें हरित भविष्य के लिए प्रेरित करने पर ध्यान दिया गया। इसके अलावा, उन्होंने स्थानीय समुदायों को जैविक खेती और सतत विकास के लिए प्रोत्साहित किया। एसपी सिंह की कार्यशैली में पारदर्शिता और सामुदायिक सहभागिता का विशेष महत्व है। उन्होंने हमेशा स्थानीय लोगों को अपने अभियानों में शामिल किया, जिससे उनके कार्यों को व्यापक समर्थन मिला। उनके प्रयासों से अमरोहा जिले में न केवल हरियाली बढ़ी है, बल्कि पर्यावरण के प्रति लोगों की सोच में भी सकारात्मक बदलाव आया है।

प्रभागीय वनाधिकारी एसपी सिंह ने अमरोहा जिले में अपने कार्यों से एक मिसाल कायम की है। उनके नेतृत्व में वन संरक्षण, वृक्षारोपण, और पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में किए गए कार्य न केवल वर्तमान के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार कर रहे हैं। उनके इन प्रयासों ने अमरोहा को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक नया मुकाम दिलाया है।

जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया निरीक्षण, दिए जरूरी निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा जनपद की बाढ़ पूर्व तैयारियों की जमीनी हकीकत का जायजा लेने हेतु तहसील धनौरा अंतर्गत शेरपुर तटबंध एवं पपसरा ग्राम स्थित हसनपुर तटबंध (द्वितीय चरण) का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदया ने संबंधित अधिकारियों से बाढ़ सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों की जानकारी प्राप्त की और तटबंधों की सुदृढ़ता, जलनिकासी व्यवस्था, राहत शिविरों की संभावित व्यवस्था, नावों की उपलब्धता, मेडिकल टीम, पशुपालन व्यवस्था एवं खाद्य सामग्री के भंडारण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन समीक्षा की। जिलाधिकारी महोदया ने मौके पर उपस्थित समस्त विभागीय

अधिकारियों को निर्देशित करते हुए सिंचाई विभाग तटबंधों की समयबद्ध मरम्मत, पेट्रोलिंग व जल स्तर निगरानी हेतु गश्ती दलों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल किट, आवश्यक दवाइयों, एंबुलेंस व टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करें। पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के टीकाकरण, चारे की व्यवस्था एवं बचाव हेतु पशु राहत केंद्रों की तैयारी पूर्ण करें। बिजली विभाग बाढ़ संभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति से संबंधित सुरक्षा मानकों की जांच करें तथा आवश्यकता पड़ने पर विद्युत आपूर्ति बंद करने की वैकल्पिक व्यवस्था रखें। आपूर्ति विभाग राहत

शिविरों हेतु पर्याप्त राशन सामग्री एवं जरूरी आवश्यकताओं की पूर्व व्यवस्था करें। उन्होंने पुलिस प्रशासन एवं राजस्व विभाग बाढ़ की स्थिति में समय से सूचना प्रसारण, जनता को सुरक्षित निकालने, राहत एवं पुनर्वास की कार्य योजना को सशक्त बनाएँ। नगर निकाय व ग्राम पंचायतें जलनिकासी व्यवस्था, नालों की सफाई एवं बाढ़ संभावित मार्गों की पहचान कर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें। राजस्व विभाग द्वारा बाढ़ चौकी, बाढ़ शरणालय, राहत शिविर पर अधिकारियों ड्यूटी लगाई जाए तथा ग्राम गर्भवती महिलाओं को चिन्हित करना, पाँच वर्ष बच्चों, वृद्ध व बीमार व्यक्तियों की सूची तैयार करना आदि की विस्तृत तैयारी हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी महोदया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी तैयारियों को गंभीरता से लें तथा आपसी समन्वय से बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु सशक्त कार्ययोजना तैयार कर धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान आदिशाशी अभियंता सिचाई विभाग बाढ़ खंड, उपजिलाधिकारी धनौरा, सहायक अभियंता सिंचाई विभाग, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला आपदा विशेषज्ञ, जिला पंचायत राज अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, पुलिस, कृषि एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी सहित ग्राम प्रधान व लेखपाल व ग्रामवासी आदि उपस्थित रहे।

इटावा में कथावाचक कांड के बाद उपद्रव मामले में बड़ी कार्रवाई, गगन यादव सहित 21 के खिलाफ मुकदमा दर्ज; 19 भेजे गए जेल

इटावा। इटावा के बकेवर थाना क्षेत्र के गांव दांदरपुर में गुरुवार को उपद्रव के बाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है और कठोर धाराओं में 21 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस पर पथराव और सरकारी वाहन को क्षति पहुंचाना, हत्या के प्रयास, सरकारी कार्य में बाधा डालना आदि आरोपों में पुलिस ने अहीर रेजिमेंट के अध्यक्ष सहित 20 नामजद व एक अज्ञात लोगों के खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया है। जिसमें पुलिस ने 19 लोगों को मौके से ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गांव दांदरपुर में कथा वाचक व उसके सहायक की चोटी काटने की घटना को लेकर इंडियन रिफार्मर्स आर्गनाइजेशन व अहीर रेजिमेंट के संस्थापक अध्यक्ष गगन यादव ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से गुरुवार को थाने का घिराव करने के लिए अपने कार्यकताओं से बकेवर पहुंचने का आवाहन किया था जिसके चलते तकरीबन एक डेढ़ हजार कार्यकर्ता बकेवर में एकत्रित हुए और उन्हें जब यह पता चला कि उनके अध्यक्ष गगन यादव को पुलिस ने एक होटल में नजरबंद कर दिया तो उन्होंने पहले कस्बे के भरथना मार्ग पर जाम लगाकर पुलिस प्रशासन और ब्राह्मणों के खिलाफ अभद्र नारेबाजी करते हुए जाम लगाया, जिसपर पुलिस मौके पर पहुंची तो यह उपद्रवी लोग बकेवर थाने आए और थाने में घुसने का प्रयास करते हुए यहां भी नारेबाजी की पुलिस ने इन उपद्रवियों के थाने में घुसने का प्रयास नाकाम कर दिया।

जिलाधिकारी ने ली जिला स्तरीय उद्योग बंधु की मासिक बैठक

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की मासिक बैठक का आयोजन कलैक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में मुख्य रूप से औद्योगिक क्षेत्र एम०जी० रोड हापुड़ पर सड़क एवं नाला निर्माण के प्रकरणों पर द्वारा वरिष्ठ प्रबन्धक, यूपीसीडा को प्रेषित आंगणनों पर शीघ्र कार्यवाही कराने हेतु निर्देशत किया गया। धीरखेड़ा इंडस्ट्रीज औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित इकाईयों की जल निकासी हेतु अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग एवं सिंचाई विभाग तथा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत की संयुक्त टीम का गठन करते हुए तकनीकी सर्वेक्षण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि जल निकासी की समस्या का समाधान सम्भव हो सके। जिलाधिकारी ने धीरखेड़ा में ट्रांसफार्मर लगाने हेतु संबंधित संस्था को 10 दोनों का समय दिया है साथ ही उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि बाबूगढ़ में बिजली की समस्या को जल्द से जल्द सही कराकर बिजली का निर्वाह सुचारू रूप से करना सुनिश्चित करें जिससे फैक्ट्री में विद्युत की कमी के कारण आ रही समस्या का निस्तारण हो सके। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित उद्योगों को जानकारी देते हुए बताया कि धीरखेड़ा को जनपद में सम्मिलित करने की कार्रवाई शासन स्तर पर लंबित है जनपद से इसका प्रस्ताव भेजा जा चुका है। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश देते हुए कहा कि जनपद की समस्त फैक्ट्री में दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए सेफ्टी हेतु साइन बोर्ड लगे होने तथा समय-समय पर फैक्ट्री की जांच भी की जानी चाहिए। बैठक में उपायुक्त उद्योग, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, विद्युत विभाग, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, यूपीसीडा के अधिकारियों के साथ-साथ, विभिन्न एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा उद्यमी बैठक में उपस्थित रहे।

पतरिया में झोलाछाप द्वारा खुलेआम दर्जनों मरीज के लगाई जा रही ड्रिप

ना रजिस्ट्रेशन, न चिकित्सा डिग्री, फिर भी मरीजों के जीवन से खिलवाड़

चारपाई पर डालकर दर्जनों मरीजों के ड्रिप लगाने का वीडियो वायरल।

गुन्नौर /संभल (सब का सपना):- गुन्नौर तहसील क्षेत्र के पतरिया में झोलाछाप द्वारा खुलेआम बिना चिकित्सीय डिग्री और बिना रजिस्ट्रेशन के दर्जनों मरीजों को चारपाई पर लिटाकर ड्रिप लगाने का वीडियो वायरल हो रहा है। मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करते हुए लगातार झोलाछाप द्वारा बोई रकम भी वसूली जा रही है। पतरिया में इंडेन गैस एजेंसी के सामने झोलाछाप फामेर्सी द्वारा दर्जन मरीजों को एक साथ चारपाई पर लिटा कर अवैध रूप से ड्रिप लगाने का वीडियो वायरल हो रहा है। बता दें कि झोलाछाप के पास न कोई चिकित्सा डिग्री है और न ही कोई स्वास्थ्य विभाग द्वारा रजिस्ट्रेशन। उसके बावजूद भी बिना किसी डर के मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करते हुए मोटी रकम वसूल रहा है,और साथ ही मरीजों के जीवन से भी खिलवाड़ किया जा रहा है। दर्जनों मरीजों को एक साथ चारपाई पर सुलाकर ड्रिप लगाने का वीडियो भी वायरल हो रहा है। ग्रामीणों की मानें तो यह झोलाछाप पहले दूसरी जगह अपनी अवैध दुकान चलाता था। जहां कोई मामला होने के बाद दुकान छोड़कर भाग गया था। उसके बाद पतरिया में झोला छाप की दुकान फिर खोलकर लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहा है। दर्जनों मरीजों को एक साथ चारपाई पर अलग-अलग लिटाकर एक मिनी अस्पताल की तरह खुलेआम ड्रिप लगाई जा रही है,जिसका वीडियो भी वायरल हुआ है। ऐसे में झोलाछाप को न किसी स्वास्थ्य विभाग का डर है न ही किसी प्रशासनिक अधिकारी का और न ही मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने का। झोलाछाप द्वारा किसी मरीज की तबीयत अधिक खराब होने के बाद हाथ खड़े कर दिए जाते हैं और दुकान बंद कर फरार हो जाते हैं। कोई कार्यवाही नहीं होने के चलते उनके हौसले बुलंद हैं और लगातार मरीजों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

स्वच्छता और विकास के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित कर रही : जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- अमरोहा जिला उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस जिले में ग्रामीण विकास और पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ करने में जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) पारुल सिसोदिया का योगदान उल्लेखनीय रहा है। उनकी कार्यशैली, समर्पण और नवाचार ने अमरोहा के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखी है। उनके नेतृत्व में जिले की पंचायती राज व्यवस्था न केवल मजबूत हुई है, बल्कि ग्रामीण समुदायों के जीवन स्तर में भी सुधार देखने को मिला है। पारुल सिसोदिया ने अपने कार्यकाल में ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायत के माध्यम से कई महत्वपूर्ण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है। उनकी प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं जैसे स्वच्छता, को बढ़ावा देना रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत पारुल सिसोदिया ने अमरोहा जिले में स्वच्छता अभियान को गति दी। उनके प्रयासों से कई ग्राम पंचायतों

को खुले में शौच मुक्त (ODF) का दर्जा प्राप्त हुआ। उन्होंने ग्रामीण समुदायों को जागरूक करने के लिए स्वच्छता अभियानों, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। उनकी सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व ने ग्रामीण महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्राम पंचायत सचिवों, सरपंचों और अन्य अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने स्थानीय नेतृत्व को और अधिक प्रभावी बनाया। उन्होंने डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हुए पंचायतों के कार्यों को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने में भी योगदान दिया। पारुल सिसोदिया की नेतृत्व शैली में समुदाय की भागीदारी को प्राथमिकता दी जाती है। वह नियमित रूप से ग्राम सभाओं में भाग लेती हैं और ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित समाधान करने का प्रयास करती हैं। उनकी इस कार्यशैली ने न केवल प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत किया है, बल्कि ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को भी सुनिश्चित किया है। उनके कार्यों की सराहना न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि राज्य स्तर पर भी की जा रही है। अमरोहा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में उनके द्वारा किए गए बदलाव दीर्घकालिक और सकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। पारुल सिसोदिया का यह समर्पण और कार्यकुशलता अन्य अधिकारियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। अंत में, यह कहा जा सकता है कि पारुल सिसोदिया के नेतृत्व में अमरोहा जिला पंचायती राज के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उनके नवाचार, समर्पण और जन-केंद्रित दृष्टिकोण ने जिले के ग्रामीण विकास को नई दिशा दी है। भविष्य में भी उनके प्रयास अमरोहा को विकास के पथ पर और आगे ले जाएंगे।

जीवन में आगे बढ़ने को कठिन परिश्रम एवं ईमानदारी को बनाएं लक्ष्य: विनोद झा

जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 75 कर्मियों को मिला सम्मान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के यूनिट हेड विनोद झा ने कहा कि लक्ष्य लेकर की गई मेहनत और कार्य कभी विफल नहीं होते हैं। जीवन में आगे बढ़ने के लिए कठिन परिश्रम एवं ईमानदारी को लक्ष्य बनाएं। सफलता आपके कदम चूमेगी। शुक्रवार की शाम जुबिलेंट परिसर में आफीसर्स क्लब में आयोजित चौथी तिमाही के लिए 5 एस कार्यप्रणाली के सफल कार्यान्वयन के लिए पुरस्कार और मान्यता कार्यक्रम में कंपनी के प्रोडीन, स्टोर, एडमिन, आरएनडी, पर्यावरण, एचआर आदि

विभागों में कार्यरत 75 कर्मियों को अधिक स्कोर के आधार पर ढाई हजार के वाउचर से पुरस्कृत किया गया। इनमें दिलीप कुमार पांडेय. डा.सैय्यद बिलाल, ऊषा वर्मा, अर्चना, बीपी सिंह, डीएम काला आदि शामिल रहे। इतना ही नहीं कौन बनेगा करोड़पति शो की थीम पर प्रश्न पूछकर सही सबसे पहले सही जवाब देने के लिए हाथ खड़े करने वाले कर्मियों को भी उपहार दिए गए। पुरस्कृत होने वाले कर्मियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, एचआर हेड मनोज शर्मा, अमित पांडे, सुनील सिंह, पराग गोयल, रबिंद्र झा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक मनीश अग्रवाल एवं अरुण थे।

गाजियाबाद के लोगों के लिए गुड न्यूज, सीएम योगी ने कर दिया बड़ा एलान

साहिबाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि लोनी, खोड़ा व मुरादनगर क्षेत्र को नगर निगम सीमा से जोड़कर ग्रेटर गाजियाबाद बनाया जाएगा। विकास के रूप में ग्रेटर गाजियाबाद अपनी पहचान की नई यात्रा शुरू करेगा। इसके साथ ही गाजियाबाद के विकास के लिए बीसीसीआई द्वारा राजनगर एक्सटेंशन में बनने वाले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की जमीन व उसके निर्माण की जिम्मेदारी जीडीए को दी जाएगी। ताकि गाजियाबाद एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को इंदिरापुरम स्थित कैलास मानसरोवर भवन में गाजियाबाद के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और इस दौरान प्रदेश में आठ

साल के भाजपा शासन में जिले के विकास पर समीक्षा की और आने वाले समय में गाजियाबाद का विकास कैसे किया जाए, इस पर मंथन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कैलास मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले तीसरे जत्थे के 46 यात्रियों को किट वितरित की। उन्होंने यात्रियों को जानकारी दी कि यात्रा से वापस लौटने के बाद उन्हें 90 दिन के भीतर एक लाख रुपये अनुदान राशि के रूप में दिए जाएंगे। उन्होंने यात्रियों से मुलाकात भी की और कहा कि कैलास मानसरोवर भवन शिवभक्तों की सुविधा के लिए तैयार किया गया था और करीब 200 यात्री इसका हिस्सा बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैलाश मानसरोवर भवन, पूर्वांचल भवन, उत्तरांचल भवन का उपयोग जनता के लिए करने को लेकर उन्होंने नगर निगम को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

महिला उत्पीड़न को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह के दिशा निर्देश पर ब्लॉक-गंगेश्वरी के ग्राम-बुरावली एवं ग्राम मंगरौला, में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ममता दुबे, सेन्टर मैनेजर, वन स्टॉप सेन्टर द्वारा अवगत कराया गया कि वन स्टॉप सेन्टर, योजना भारत सरकार द्वारा 1 अप्रैल, 2015 से पूरे देश में प्रारम्भ की गयी थी। ओ0एस0सी0 का मुख्य उद्देश्य उन महिलाओं जिनको घर या बाहर हिंसा एवं मानसिक पीड़ा उत्पीड़न, यौन हमला,

घरेलू हिंसा तस्करी, सम्मान सम्बन्धित अपराध, तेजाब हमले सम्बन्धित पीड़ा से गुजरना पड़ रहा है उनकों 24 घण्टे एक छत के नीचे सारी सुविधाएं देना जैसे- चिकित्सीय, कानूनी सहायता, पुलिस सहायता, एवं अस्थायी शेल्टर एवं मनोवैज्ञानिक काउन्सलिंग की मदद से साहस देना जिससे उन पीड़ित महिलाओं को सशक्त किया जा सके ताकि वे अपनी लडाई मजबूती से लड़ सके। अस्थायी आवास में हिसा से प्रभावित महिलाए रह सकती है साथ ही अवगत कराया कि वन स्टॉप सेन्टर, अमरोहा मे पीड़ित महिला 181 हेल्पलाइन, आईजी0आर0एस एवं सीधे ओ0एस0सी0 आकर भी शिकायत कर सकती है इसके साथ टोल फ्री न0- 181, 1090, 1098, 112, 108, 1076, हेल्पलाइन की जानकारी भी दी गई। इसी दौरान श्रीमती करूणा निधि, मनौबैज्ञानिक परामर्शदाता ने बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना के प्रति बालिकाओं को जागरूक किया जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में फैली कुरीतियों व बेटा-बेटी में व्याप्त असमान्ता को दूर करना, समान लिगांनुपात स्थापित करने व कन्या भ्रूण हत्या को रोकने, बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा को सुदृढ़ करने तथा बालिका के प्रति आमजन में सकारात्मक सोच विकसित करना है एंव बताया कि कन्या सुमंगला योजना के अर्न्तगत उ0प्र0 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बेटियों के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढाई के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। इसके अतिरिक्त बताया कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना को उ0प्र0 के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा 30 मई 2021 को आरभ्भ किया गया है। इस योजना के माध्यम से उन सभी बच्चों की मदद की जाएगी जिनके माता पिता की मृत्यु कोरानावायरस संक्रमण के कारण हो गयी है। इस योजना के अन्तर्गत न केवल बच्चों की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी बल्कि उनको पढाई से लेकर उनके विवाह तक का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। इस अवसर पर सेन्टर मैनेजर, मनौबैज्ञानिक परामर्शदाता, वन स्टॉप सेन्टर एवं नरेन्द्र पाल, वन स्टाप सेन्टर एवं ग्राम सचिव, पंचायत सहायक, आगंनवाड़ी, आशा, आदि कार्मिक उपस्थित उपस्थित रहे

पेड़ों की कटाई पर दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा आदेश, परियोजना बढ़ाने वाले ही प्रत्यारोपित पेड़ के रखरखाव के लिए जिम्मेदार

दिल्ली हाई कोर्ट ने पेड़ों की कटाई से खराब हो रही आबोहवा पर चिंता जताते हुए अहम निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि परियोजना ...

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न परियोजनाओं की भेंट चढ़ने वाले पेड़ों के कारण खराब होती आबोहवा को देखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम निर्णय पारित किया है। पेड़ों की कटाई के संबंध में अहम निर्देश पारित करते हुए न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि परियोजना को आगे बढ़ाने वाले यानी प्रस्तावक पांच साल तक योजना के लिए प्रत्यारोपित पेड़ों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार होंगे। पेड़ों की कटाई और प्रत्यारोपण की एसओपी लागू करने का निर्देश पीठ ने इसके साथ ही दिल्ली में पेड़ों की कटाई या प्रत्यारोपण पर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए विभिन्न निर्देश जारी किए हैं। पेड़ों के कटाई से जुड़ी एक अवमानना याचिका पर

पीठ ने आदेश दिया कि पेड़ों की कटाई या प्रत्यारोपण के लिए उप वन संरक्षक (डीसीएफ) या वृक्ष अधिकारी को परियोजना की योजना के चरण में ही शामिल किया जाएगा। कोर्ट ने कहा- लगाए जाने वाले पेड़ की ऊंचाई कम से कम छह फीट हो पीठ ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लगाया जाने वाला पेड़ छह फीट से कम ऊंचाई के न हो और इसकी पांच साल की नर्सरी लाइफ हो। पीठ ने यह भी कहा कि पेड़ों की कटाई के लिए आवेदन करने वाला आवेदक अदालत में एक हलफनामा दायर करेगा कि परियोजना प्रस्तावक वृक्षारोपण के लिए लगाए गए पेड़ों की पांच साल की अवधि तक देखभाल करने, पानी देने, रखरखाव और सामान्य रखरखाव का जिम्मेदार होगा। निगरानी का काम डीसीएफ की ओर से किया जाएगा पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि जिन पेड़ों को प्रत्यारोपित किया जाना है, उनकी बहुत अधिक छंटाई नहीं की जानी चाहिए। पीठ ने आदेश दिया कि एसओपी डीपीटी अधिनियम के अनुसार काम करेगी और अनुमोदन के बाद की निगरानी डीसीएफ द्वारा की जाएगी। याचिकाकर्ता भरवीन भंडारी ने अवमानना याचिका दायर कर तर्क दिया कि दिल्ली में अधिकारी अदालत के उस न्यायिक निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं, जिसमें वृक्ष अधिकारियों को पेड़ों की कटाई की अनुमति देने के कारणों को स्पष्ट करने की आवश्यकता थी। इससे पहले न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ फैसला दिया था कि दिल्ली में 50 या इससे अधिक पेड़ों की कटाई की अनुमति सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) द्वारा निगरानी में ली जाएगी। इन बिंदुओं पर विचार करें वृक्ष अधिकारी किसी विशेष परियोजना के लिए प्रस्तावक द्वारा किए गए आवेदनों की संख्या और परियोजना के कारण संबंधित साइट के बजाय पूरे इलाके में पर्यावरण पर प्रभाव। वैकल्पिक साइट की उपलब्धता। आसपास के हरित आवरण पर पड़ने वाला समग्र प्रभाव। पेड़ों की आयु और उनके द्वारा समर्थित पारिस्थितिकी तंत्र। वृक्षों के प्रत्यारोपण के बाद जीवित रहने की संभावना।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का भव्य स्वागत, आस्था और परंपरा का संगम देखने उमड़े भक्त, देखें झलकियां

दक्षिणी दिल्ली: त्यागराज नगर में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा मेले के 58वें संस्करण का शुभारंभ शुक्रवार से किया गया। उत्सव की शुरूआत सुबह 5:30 बजे मंगला आरती के साथ की गई, इसके बाद अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया सुबह 9 बजे रथ की पूजा की गई, जिसके बाद 11:30 बजे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के विग्रहों को बाहर निकाला गया। दोपहर 1 बजे तीनों विग्रहों को भव्य रथ पर स्थापित किया गया। दोपहर 3:30 बजे से श्रद्धालुओं ने पवित्र रस्सियों से रथ को खींचना शुरू किया। इस ऐतिहासिक मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल रहीं। मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और हर पल को कैमरे में कैद किया गया।

मंत्री जी... झाड़ू-पोछा करके चुकानी पड़ती है आश्रय गृह में रहने की कीमत; हैरान कर देगी पूरी रिपोर्ट

दक्षिणी दिल्ली। यदि किसी बेघर को दिल्ली के आश्रय गृह में शरण लेनी है तो उसे यहां रहने की कीमत झाड़ू-पोछा करके चुकानी पड़ेगी। यदि वह साफ-सफाई नहीं करेगा तो उसे आश्रय में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं से वंचित कर दिया जाएगा। जी हां, ऐसा वाक्या सराय काले खां में उस समय देखने को मिला जब दिल्ली सरकार के शहरी विकास एवं गृह मंत्री आशीष सूद ने इनका औचक निरीक्षण किया। बताया गया कि यहां देखरेख करने वालों एनजीओ ने आश्रितों को ही आश्रय गृह की साफ-सफाई का जिम्मा सौंप रखा था। इसके अलावा कर्मचारी अपनी मर्जी से ही आने-जाने वालों की रजिस्टर में एंट्री का रहे थे। सराय काले खां पार्किंग साइट पर बेघरों के लिए पांच आश्रय गृह बनाए गए हैं। इनकी देखरेख की जिम्मेदारी एसपीवाईएम (सोसाइटी फार द प्रोमोशन आफ यूथ एंड मासेस) और जनपहल एनजीओ को सौंपी गई है। यहां शहरी विकास मंत्री आशीष सूद बृहस्पतिवार सुबह करीब 11 बजे औचक निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान चौंकाने वाला वाक्या सामने आया। आश्रय गृह की साफ-सफाई के लिए आश्रितों को ही मजबूर किया जा रहा था। एनजीओ द्वारा सफाई एवज में उन्हें हर महीने चार से पांच हजार रुपये दिए जा रहे थे। ऐसा न करने पर उन्हें को मूलभूत सुविधाओं से वंचित किया जा रहा था। मंत्री ने पूरे मामले की जांच के आदेश देते हुए कहा कि गरीबों के हक पर भ्रष्टाचार नहीं करने दिया जाएगा। सारे फजीवाड़े का पता लगाने के लिए सीबीआइ से भी जांच कराई जाएगी। जो आश्रय गृह में थे भी नहीं, एडवांस में कर दी उनकी एंट्री आशीष सूद ने एंट्री रजिस्टर की भी छानबीन की। इसमें भी भारी लापरवाही सामने आई। कर्मचारियों ने रजिस्टर में ऐसे लोगों की एडवांस में ही एंट्री कर रखी थी जो आश्रय गृह में मौजूद भी नहीं थे। इसको लेकर मंत्री ने एनजीओ व डुसूब के कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए कि यहां पर एनजीओ के नाम पर घोटाला नहीं करने दिया जाएगा। फिर यहां से संबंधित दस्तावेजों को जब्त करने के लिए कहा।

मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाश को सुपर वुमन ने सिखाया सबक, स्कूटी से खींचकर गिराया और पुलिस से पकड़वाया

बाहरी दिल्ली: सुल्तानपुरी थाना क्षेत्र में मोबाइल फोन झपट कर भाग रहे स्कूटी सवार बदमाश को पीड़ित महिला ने स्कूटी से गिरा दिया। फिर लोगों की मदद से एक आरोपित को पकड़ लिया। जबकि दूसरा आरोपित मोबाइल लेकर फरार हो गया। पुलिस ने फरार आरोपित को भी पकड़ लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से मोबाइल फोन और स्कूटी बरामद कर ली है। मौके पर पकड़ा गया बदमाश की पहचान राकेश के रूप में हुई। वह राजपार्क थाने का घोषित बदमाश है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 23 जून को सुल्तानपुरी थाना पुलिस को मोबाइल झपटने और एक बदमाश के पकड़े जाने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पकड़े गए बदमाश राकेश को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने बदमाश की स्कूटी को जब्त कर लिया। महिला ने पिछली सीट पर बैठे बदमाश को पकड़ लिया मौके पर एक महिला मिली, जिसने बताया कि वह सुल्तानपुरी की रहने वाली है। वह जलेबी चौक से घर लौट रही थी। अंबेडकर पार्क के पास स्कूटी सवार दो बदमाश उसके पास आए और मोबाइल फोन छीन लिया। वारदात के बाद बदमाश भाग पाते इससे पहले उसने स्कूटी के पिछली सीट पर बैठे बदमाश को पकड़ लिया। जिससे वह स्कूटी समेत गिर गया। लोगों की मदद से उसने बदमाश को पकड़ लिया। जबकि उसका साथी मोबाइल लेकर भाग गया। पकड़े गए बदमाश राकेश की तलाशी के दौरान पुलिस को उसके कब्जे से एक चाकू मिला। पकड़े गए बदमाश पर दर्ज हैं 40 आपराधिक मामले पुलिस ने पीड़िता के बयान पर मामला दर्ज कर लिया। जांच में पता चला कि मंगोलपुरी का रहने वाला राकेश राजपार्क थाने का घोषित बदमाश है और उसपर 40 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके बाद थाना प्रभारी रविंदर मलिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बदमाश से पूछताछ कर उसके साथी प्रवीण को इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में पता चला कि प्रवीण पर पहले से पांच से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

दिल्ली में 1 जुलाई से इन वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल, सरकार और पुलिस ने कर ली पूरी तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली में दस वर्ष और उससे अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। इसके लिए दिल्ली सरकार का परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस पूरी तैयारी कर चुकी है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएएम) के मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दिल्ली सरकार के परिवहन सचिव निहारिका राय और ट्रैफिक पुलिस के विशेष सचिव अजय चौधरी ने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि इस पहल से दिल्ली में कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं आएगी। लोग और डीलर सहयोग करेंगे। विरेन्द्र शर्मा, तकनीकी सदस्य, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग एनसीआर के वातावरण में पीएम 2.5 के कारण होने वाले प्रदूषण में वाहनों के धुंए की भागीदारी 28 प्रतिशत है। सल्फर आक्साइड के प्रदूषण में 41 प्रतिशत और नाइट्रोजन ऑक्साइड के प्रदूषण में 78 प्रतिशत है। सबसे बड़ी चुनौती है कि बीएस 6 से कम मानक के वाहन चल रहे हैं। अकेले दिल्ली में 62 लाख वाहन उम्र पूरी कर चुके हैं। जिसमें 41 लाख दोपहिया और 18 लाख चार पहिया वाहन हैं। एनसीआर से संबंधित हरियाणा के जिलों में ऐसे वाहन 27.5 लाख, उत्तर प्रदेश में 12.4 लाख और राजस्थान में 6.1 लाख हैं। एनपीआर कैमरे लगने की पहल दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने की। इसके बाद सीएक्यूएएम ने पूरे एनसीआर में ये कैमरे लगाने की समय सीमा तय की है। निहारिका राय, परिवहन सचिव, दिल्ली सरकार परिवहन विभाग ने जागरूकता के लिए काफी प्रचार प्रसार किया है। डीलर और सतर्कता एजेंसियों के साथ बैठक भी है। एक जुलाई से उम्र पूरी कर चुके कोई वाहनों को पेट्रोल व डीजल नहीं दिया जाएगा। ऐसे वाहन जब्त किए जाएंगे। जिन पेट्रोल पंपों पर उम्र पूरी कर चुके वाहन अधिक आते हैं ऐसे हाट स्पाट पर अभी उन पर फोकस अधिक होगा। दिल्ली में अभी 498 फ्यूल स्टेशनों पर एनपीआर कैमरे लग चुके हैं। इसमें 382 पेट्रोल व डीजल फ्यूल स्टेशन और 116 सीएनजी स्टेशन शामिल हैं। डीलर सहयोग करेंगे। परिवहन विभाग ने जो टीम गठित की है उसमें डीलरों के प्रतिनिधि इसमें शामिल किए गए हैं। अजय चौधरी, विशेष आयुक्त, ट्रैफिक पुलिस उम्मीद है कि कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं आएगी। इसके लिए पुलिस ने पूरी तैयारी की है और लोग स्वैच्छा से ऐसे वाहन जमा करा देंगे।

रिठाला अग्निकांड: जांच में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य, ऐसे बची थीं 5 जिंदगियां; चार की हुई थी मौत

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में रोहिणी क्षेत्र के रिठाला गांव स्थित फैक्ट्री में आग लगने से चार लोगों की मौत के मामले में पुलिस की जांच में कुछ चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही हैं। बृहस्पतिवार को पुलिस ने फैक्ट्री के कई श्रमिकों समेत आग में झुलसे पीड़ित के बयान दर्ज किए हैं। इसमें फैक्ट्री में झगड़े के बाद एक ठेकेदार की ओर आत्मदाह करने की बात सामने आ रही है। साथ ही फैक्ट्री में ज्वलनशील केमिकल के भंडारण की बात भी सामने आई है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि घटना के कई पहलुओं की जांच की जा रही है। अभी पुख्ता तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चार मंजिला की इमारत में तीन फैक्ट्री चल रही थी। भूतल व पहली मंजिल पर एक मालिक और दूसरी व चौथी मंजिल पर दूसरे मालिक की फैक्ट्री थी, जबकि तीसरी मंजिल पर एक अन्य फैक्ट्री थी। वहीं, इन फैक्ट्रियों के स्टाफ ने पुलिस को बताया कि मंगलवार शाम को दो फैक्ट्री संचालकों के बीच बातचीत चल रही थी। उसी समय रुपये के लेनदेन के विवाद में किसी ने खुद को आग लगाई, जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। देखते ही देखते आग पूरी इमारत में आग फैल गई। आग किसने लगाई, पुलिस ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि संजू और विशाल ने पुलिस को इसी तरह के बयान दिए हैं। ये दोनों हादसे के वक्त फैक्ट्री में थे। इन्होंने छत पर पहुंचकर जान बचाई थी। वहीं हादसे के बाद से तीसरी मंजिल पर फैक्ट्री चलाने वाले राकेश अरोड़ा भी गायब हैं। इनके बेटे रोहित अरोड़ा ने बताया कि पिता मंगलवार की शाम फैक्ट्री में कहीं माल भिजवाने गए थे, तभी यह हादसा हुआ है। बृहस्पतिवार को उन्होंने डीएनए जांच के लिए खून के नमूने अस्पताल पहुंचकर दिए हैं। आग से झुलसे तीन में से दो की हालत गंभीर आग से फैक्ट्री मालिक के बेटे नितिन, कर्मचारी राकेश और विरेंद्र झुलस गए थे। इनमें से नितिन और राकेश की हालत गंभीर है। नितिन और राकेश 80 फीसदी तक झुलस गए हैं।

दिल्ली का ये टोल बना मुसीबत, गाजियाबाद और नोएडा के वाहन चालक हर रोज जाम का करते हैं सामना

पूर्वी दिल्ली। गाजीपुर का दिल्ली नगर निगम का टोल वाहन चालकों के लिए मुसीबत बना हुआ है। टोल के कारण हर रोज वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ रहा है। दिल्ली, गाजियाबाद व नोएडा में रहने वाले लोग इस टोल के जाम से त्रस्त हैं। नो एंट्री खुलने से पहले ही माल वाहक वाहन दिल्ली की सीमा में प्रवेश करके एनएच-नौ व दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के किनारे पर खड़े हो जाते हैं। उनके कारण जाम तो लगता है, साथ ही हादसे होने की आशंका बनी रहती है। निगम कर्मी भी बीच सड़क पर वाहनों को रोककर टोल वसूली करते हैं। दोनों ही कारणों से हाईवे और एक्सप्रेसवे पर जाम लगता है। निगम व यातायात पुलिस इस समस्या से लोगों को निजात नहीं दिलवा पा रहे हैं। दोनों ही विभाग एक दूसरे को जिम्मेदार बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं। एनएच-नौ पर गाजीपुर बार्डर से 24 घंटे में करीब डेढ लाख वाहन गुजरते हैं। गाजीपुर मुर्गा मंडी के पास निगम ने एनएच-नौ की सर्विस लेन, दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे और विनोद नगर डिपो के पास एनएच-नौ पर टोल बूथ बनाए हुए हैं। गाजियाबाद व नोएडा में रहने वाले काफी संख्या में लोग दिल्ली में नौकरी करने के लिए आते हैं। दिल्ली के लोग गाजियाबाद व नोएडा जाते हैं। यह टोल गाजियाबाद से दिल्ली आने वाली लेन पर हैं। ऐसे में जाम इसी लेन पर रहता है। कई बार निगम के टोल कर्मी अचानक से टोल वसूलने के लिए वाहनो के सामने आ जाते हैं। पीछे जाम लगता चला जाता है। टोल पर ट्रक व व्यवसायिक वाहनों के लिए अलग लेन बनाई हुई हैं।

डीएनए परीक्षण के बाद शवों की हो सकेगी शिनाख्त, परिजन के लिए गए खून के नमूने

बाहरी दिल्ली। रिठाला गांव स्थित एक फैक्ट्री में मंगलवार की शाम लगी भीषण आग से झुलसकर चार लोगों की हुई मौत मामले में शवों की शिनाख्त के लिए उनके स्वजन के खून के नमूने लिए गए हैं। बृहस्पतिवार को सभी मृतकों के स्वजन ने रोहिणी के अंबेडकर अस्पताल में पहुंचकर खून के नमूने दिए हैं। पुलिस अधिकारी का कहना है कि डीएनए जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही सभी पीड़ित परिवार को शव दिए जाएंगे। इस प्रक्रिया में 24 से 48 घंटे का समय लग सकता है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि फैक्ट्री से बरामद किए गए चार शवों में से दो महिलाएं व दो पुरुषों के हैं। मृतकों के शव इस तरह टुकड़ों में बंटे हैं कि बिना डीएनए जांच के पहचानना तक मुश्किल है। हालांकि मृतक दिलीप सिंह के बेटे धर्म सिंह ने अपने पिता के शव की शिनाख्त की है। मंगलवार देर रात से ही पीड़ित परिवार भूखे-प्यासे थाने और अस्पताल का चक्कर लगा रहे हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि हम चाहकर भी घर पर नहीं रह पा रहे हैं। जब तक हमें अपनों के शव नहीं मिल जाते हैं। वहीं, पीड़ित परिवार ने बृहस्पतिवार को पुलिस अधिकारी से जल्द से जल्द डीएनए रिपोर्ट कराने की मांग की है, ताकि वे अपनों का अंतिम संस्कार कर सके। वहीं, इस मामले में पुलिस अधिकारी का कहना है कि अबतक करीब दर्जन भर लोगों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए गए हैं।

डीयू और लीड्स यूनिवर्सिटी में नई साझेदारी, छात्रों को मिलेगा इंटरनेशनल एक्सचेंज का मौका

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और यूके स्थित लीड्स विश्वविद्यालय ने विनिमय गतिशीलता और अनुसंधान गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू स्वस्थ अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देगा और छात्र और संकाय आदान-प्रदान के लिए एक सक्रिय ढांचा उपलब्ध कराएगा। बृहस्पतिवार को डीयू के वाइस रीगल लाज में कुलपति प्रो. योगेश सिंह और लीड्स विश्वविद्यालय की कुलपति एवं अध्यक्ष प्रो. शियरर वेस्ट ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) - 2020 के तहत, डीयू ट्विनिंग कार्यक्रम को लागू करने की राह पर चल रहा है। डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शुरू की जा सकने वाली विभिन्न संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक संकाय के रूप में अंतरराष्ट्रीय संकाय रखने पर भी जोर दिया, जिससे छात्रों और संकाय दोनों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त होगा। लीड्स विश्वविद्यालय की कुलपति और अध्यक्ष प्रोफेसर शियरर वेस्ट ने कहा कि स्नातकोत्तर और डाक्टरेट स्तर पर उनके छात्रों में भारत में अध्ययन करने की रुचि बढ़ रही है और यह साझेदारी छात्र विनिमय को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

फर्जी पुलिस बन किया युवक का अपहरण, पूरा मामला जान अफसरों ने पकड़ा माथा; अब हत्थे चढ़े 5 बदमाश

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस ने फर्जी पुलिस कर्मचारी बनकर एक युवक का अपहरण करने वाले पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों से वारदात में इस्तेमाल कार बरामद की है। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि बदमाशों की पहचान सफदरजंग एन्क्लेव निवासी प्रवेश, रितिक गौहर, आरकेपुरम निवासी आर्यमन चौधरी, देव आनंद यादव और बीके दत्त कॉलोनी निवासी शरमन राय के रूप में हुई है। इन्होंने पीड़ित का अपहरण ग्रैंड विटारा कार में किया था। इसे भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मुनिरका निवासी जोशुआ हमार ने पुलिस को शिकायत दी थी कि वह 15 जून की रात करीब पौने दो बजे मुनिरका में फक्कर वाला पार्क के पास खड़ा था। तभी कार सवार चार युवकों ने उसका अपहरण कर लिया। अपहरण करने के बाद आरोपितों ने खुद को दिल्ली पुलिस का कर्मचारी बताया। इसके बाद उन्होंने पीड़ित को कहा कि उसके खिलाफ एक मामले में जांच चल रही है। यदि इससे बचना है तो कुछ पैसों का इंतजाम करना होगा। किसी तरह पीड़ित उनके चंगुल से भाग निकला। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू की। झूठे मुकदमे में फंसा होने का डर दिखाकर मांगते थे पैसे पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से वारदात में इस्तेमाल कार के नंबर की पहचान की। यह कार प्रवेश नाम के युवक के नाम पर पंजीकृत मिली। तब पुलिस ने प्रवेश को हिरासत में लिया। वहीं, उसने पूछताछ में मुनिरका से युवक के अपहरण की बात कबूल की। साथ ही अपने अन्य साथियों के नाम भी पुलिस को बताए। फिर पुलिस ने अन्य चार आरोपितों को भी गिरफ्तार किया। जबकि रितिक गौहर उत्तर प्रदेश के झांसी और देव आनंद यादव राजस्थान के अलवर का रहने वाला है।

खत्म होगी दिल्लीवालों के लिए पानी की समस्या, इसी साल दो नए डब्ल्यूटीपी के तैयार होने की उम्मीद

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ रही पानी की मांग को ध्यान में रखकर योजना तैयार की जा रही है। निमार्णाधीन जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) का काम शीघ्र पूरा करने के साथ ही नए पर भी काम शुरू करने की तैयारी है। एक वर्ष के अंदर द्वारका और चंद्रावल में दो नए डब्ल्यूटीपी के तैयार होने की उम्मीद है। इससे दिल्लीवासियों को 155 एमजीडी अतिरिक्त पेयजल की उपलब्ध होगा। दिल्ली में लगभग 1250 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) पानी की आवश्यकता है। इसकी तुलना में नौ डब्ल्यूटीपी और ट्यूबवेल से लगभग एक हजार एमजीडी पेयजल उपलब्ध होता है। पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए द्वारका में पहले से स्थित 50 एमजीडी क्षमता वाले डब्ल्यूटीपी के साथ ही इतनी ही क्षमता का एक नया संयंत्र बनाया जा रहा है। यह लगभग 50 एकड़ में क्षेत्र में बनेगा। इस संयंत्र के लिए मूनक नहर का पानी बवाना से यहां तक लाया जाएगा। दिसंबर 2024 तक होना था पूरा इसके लिए पहले से पाइप लाइन बिछाई गई है। बवाना में जो जलाशय और पंपहाउस भी बनाया जा सकता है। अधिकारियों का कहना है कि पिछले वर्ष दिसंबर तक इसे तैयार किया जाना था लेकिन भूमि और फंड की कमी के कारण इसमें विलंब हुआ। संयंत्र वाले स्थान पर पहले सब्जी मंडी थी। दुकानदार अदालत चले गए थे। अदालत के आदेश के बाद भी भूमि खाली करने में लगा। उसके बाद फंड की कमी से इसमें देरी हुई। अब तेजी से काम चल रहा है। अगले कुछ माह में यह पूरा हो जाएगा। कई क्षेत्रों में जल आपूर्ति की स्थिति बेहतर होगी इससे द्वारका, पालम, बिजवासन और मटियाला विधानसभा क्षेत्रों में जल आपूर्ति की स्थिति बेहतर होगी। चंद्रावल1 और 2 डब्ल्यूटीपी से 90 एमजीडी पेयजल मिलता है। दोनों संयंत्र पुराने हो गए हैं। यहां 18 एकड़ भूमि पर एक नया संयंत्र बनाया जा रहा है। इसकी क्षमता लगभग 105 एमजीडी होगी। आधुनिक तकनीक वाले इस संयंत्र से पानी में अमोनिया की मात्रा चार पार्ट पर मिलियन (पीपीएम) होने पर भी शोधित किया जा सकता है। अभी पानी में अमोनिया का स्तर दो पीपीएम से अधिक होने पर संयंत्र को बंद करना पड़ता है। इस संयंत्र के अगले वर्ष तक तैयार होने की उम्मीद इस संयंत्र के अगले वर्ष तक तैयार होने की उम्मीद है। इससे उत्तरी दिल्ली व मध्य दिल्ली के कई क्षेत्रों में जल आपूर्ति सुधारने में मदद मिलेगी। वहीं, एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के सहयोग से वजीराबाद जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) का उन्नयन होगा।

डिजिटल वोटर लिस्ट की राहुल गांधी की मांग कानूनी रूप से अव्यावहारिक : अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की चुनाव आयोग से डिजिटल मतदाता सूची की मांग को लेकर लगातार दिए जा रहे बयानों को संवैधानिक विशेषज्ञों और सूत्रों ने कानूनी रूप से अव्यावहारिक करार दिया है। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि यह मुद्दा पहले ही सुप्रीम कोर्ट में उठाया जा चुका है और शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में चुनाव आयोग के पक्ष को वैध ठहराया है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी द्वारा बार-बार इस मांग को दोहराना सिर्फ प्रचार पाने की रणनीति प्रतीत होती है, जबकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इस मांग को खारिज कर चुका है। चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों ने 2018 में कांग्रेस नेता कमलनाथ द्वारा दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के प्रमुख अंश साझा किए, जिनमें कहा गया, ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल जिस फॉर्मेट में याचिकाकर्ता को दिया गया, वह चुनाव आयोग के मैनुअल में वर्णित आवश्यकताओं को पूरा करता है। नाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि यह स्पष्टीकरण राहुल गांधी द्वारा नवंबर में महाराष्ट्र चुनावों को लेकर फिक्स्ड इलेक्शन कहे जाने के आरोपों और चुनाव आयोग द्वारा उन्हें संदेह दूर करने के लिए बुलाए गए संवाद के संदर्भ में दिया गया है, जिसमें वे अब तक शामिल नहीं हुए हैं।

पुणे की कोचिंग क्लास में नाबालिग से यौन शोषण, दो प्रोफेसर्स पर लगे आरोप

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में पुणे की कोचिंग क्लास में नाबालिग छात्रा से यौन शोषण का मामला सामने आया है। ये गंभीर आरोप कोचिंग के ही दो प्रोफेसर्स पर लगाए गए हैं। गुरुवार देर रात पुलिस में पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया। आरोपी प्रोफेसर विजय पवार, बीड के कोचिंग उद्योग में एक प्रमुख व्यक्ति और कोचिंग क्लासेस एसोसिएशन के एक पदाधिकार और प्रोफेसर प्रशांत खटावकर कई महीनों तक 12वीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ कर रहे थे। पुलिस में की शिकायत के मुताबिक जुलाई 2024 में खटावकर ने पीड़िता को कक्षा के बाद अपने केबिन में बुलाया और छेड़छाड़ की। जब उसने संस्थान के निदेशक को घटना की सूचना दी, तो उन्होंने भी छात्रा के साथ दुर्व्यवहार किया, जो मई 2025 तक जारी रहा। पीड़िता ने गुरुवार को शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद दोनों प्रोफेसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी फरार हैं। स्थानीय अपराध शाखा की तीन टीमें उन्हें पकड़ने में जुटी हैं। इस घटना से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है और बीड के निजी कोचिंग संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

भगवान ने बच्चा नहीं दिया, तो 8000 बच्चे पौधों के रूप में पैदा किये

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन जिले की 113 साल की महिला ने 8000 पौधारोपण कर उनका पालन पोषण करके एक तरह से भगवान के सामने एक नया उदाहरण रख दिया। दंपति को कोई बच्चा नहीं हुआ था। आसपास के लोग हमेशा उसे टोंकते थे। इससे व्यथित होकर दंपति ने पौधारोपण कर उनकी देखरेख करके पौधों को बच्चों के रूप मे देखना शुरू कर दिया। 1991 में, 113 साल की सालू मरादा के पति की मौत हो गई थी। उसके बाद भी वह पौधे लगाने का काम करती रही। अभी तक 8000 से ज्यादा पौधे लगा चुकी हैं। उनके इस जनून को देखते हुए एक फिल्मकार ने बायोपिक बनाने के लिए उनसे संपर्क किया। इस पर उन्होंने सहमति नहीं दी। वह अपने 8000 बच्चों को देखकर प्रसन्न होती हैं। कहती हैं, भगवान ने बच्चे नहीं दिए,तो क्या हुआ। 8000 बच्चे हमने पैदा कर लिए, वह हमारे साथ हैं।

गुजरात में 'हर घर नल से जल' योजना में बड़ा घोटाला, 12 कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में मनरेगा घोटाले के बाद अब 'हर घर नल से जल' योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है। महिसागर जिले के 620 गांवों में इस योजना के तहत हुए कार्यों में 123 करोड़ के दुरुपयोग की शिकायत आने के बाद गुजरात सरकार ने 12 कर्मचारियों के खिलाफ सीआईडी क्राइम शाखा वडोदरा में शिकायत दर्ज कराई है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट मानी जाती है, इसके तहत गांव-गांव पानी की पाइपलाइन बिछाकर हर घर तक नल से जल पहुंचाया जाना था। योजना का मकसद गांव के हर घर तक पाइपलाइन के माध्यम से पीने का पानी पहुंचे। महिसागर जिले के 714 गांवों में से 620 गांवों में योजना को लागू किया गया था, इसमें करीब 238 करोड़ की राशि खर्च की गई। लेकिन ज़मीनी सच्चाई यह है कि इन गांवों में न पाइपलाइन बिछाई गई, न ही नल कनेक्शन मिले और न ही एक बूंद पानी किसी घर तक पहुंचा। इसके बावजूद सरकारी दस्तावेजों में यह दिखाया गया कि कार्य पूर्ण हो चुका है।

कैंसर पीड़ित बुजुर्ग महिला को कचरे में फेंका, आरोपी पोता सहित 2 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से परेशान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक बुजुर्ग महिला कूड़े के ढेर पर पड़ी मिली। कैंसर से पीड़ित महिला को उसके पोते ने कथित तौर पर कूड़े में फेंक दिया। पुलिस ने जांच शुरू कर महिला के परिवार की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना तब सामने आई, जब मुंबई पुलिस ने शहर की आरे कॉलोनी में सड़क पर कूड़े के ढेर के पास 60 वर्षीय यशोदा गायकवाड़ को बेहद कमजोर हालत में देखा। मुंबई में कैंसर रोगी अपनी दादी को जंगल में छोड़ने के आरोप में 33 वर्षीय एक व्यक्ति और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि लगभग 70 वर्षीय महिला 22 जून की सुबह एक कूड़े के ढेर के पास आई थी और उसकी हालत खराब थी, जिसके बाद पुलिस ने बुजुर्ग महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में बुजुर्ग महिला के पोते सागर शेवाले (33), बहनोई बाबासाहेब गायकवाड़ (70) और ऑटो रिक्शा चालक संजय कादरेशम (27) को कथित तौर पर महिला को उस स्थान पर छोड़ते हुए देखा गया, जहां वह मिली थी।

आपातकाल में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को जोड़ा, इसकी समीक्षा हो

-आरएसएस के महासचिव ने कहा-मूल संविधान में इनका कोई स्थान नहीं था

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक बार फिर संविधान की प्रस्तावना में शामिल 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को लेकर विवाद खड़ा कर दिया है। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में इन शब्दों की समीक्षा करने की जरुरत जताई। उनका कहना है कि ये शब्द आपातकाल में असंवैधानिक तरीके से जोड़े गए थे और बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा तैयार मूल संविधान में इनका कोई स्थान नहीं था।

होसबोले ने कहा कि आपातकाल के समय जब मौलिक अधिकार निलंबित थे, संसद निष्क्रिय थी, न्यायपालिका दबाव में थी, तब कांग्रेस सरकार ने चुपचाप प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' जैसे शब्द जोड़ दिए थे। अब सवाल यह उठता है कि क्या ये विचारधाराएं भारत के लिए शाश्वत हैं? इस पर विचार और बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा

कि आज वही लोग संविधान की प्रति लेकर घूम रहे हैं, जिन्होंने 1975 में संविधान की आत्मा को रौंदा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में लगाए गए आपातकाल के दौरान हजारों लोगों को जेल में डाला गया, मीडिया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता छीन ली गई और बड़ी संख्या में जबरन नसबंदी की गई।

होसबाले ने कांग्रेस से देश से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि आपके पूर्वजों ने जो किया, उसके लिए आज आपको माफी मांगना जरूरी है। आज लोकतंत्र की दुहाई देने वाले आपातकाल के काले अध्याय को भूल नहीं सकते। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी आपातकाल की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों पर सबसे बड़ा हमला था। संविधान में बदलाव कर जनता की आवाज को कुचल दिया गया। कांग्रेस आज आरोप लगा रही है कि हम संविधान बदलना चाहते हैं, जबकि हमने कभी ऐसी मंशा नहीं जताई।

उन्होंने कहा कि 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिए इमरजेंसी के दौरान समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द प्रस्तावना में जोड़े गए थे। आरएसएस का तर्क है कि यह राजनीतिक उद्देश्य से लिया गया कदम था, जिसे आज फिर समीक्षा की दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

मीम्स और रील्स को लेकर मौलाना गोरा ने मुसलमान युवक-युवतियों को क्या दी सलाह

नई दिल्ली। इस्लामी विद्वान और जमीयत दावातुल मुस्लिमीन के संरक्षक मौलाना कारी इसहाक गोरा ने मुसलमानों को सोशल मीडिया पर दीन और इस्लामी पहचान का मजाक उड़ाने से सख्ती से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मजाक में भी अगर कोई इस्लामी तालीमात, कुरान, हदीस, नमाज, हिजाब या दाढ़ी जैसी चीजों का अपमान करता है, वह इस्लाम से बाहर हो सकता है। मौलाना गोरा ने आज सोशल मीडिया पर मीम्स और रील्स के द्वारा इस्लाम और उसकी पवित्र चीजों को हंसी का साधन बनाया है। उन्होंने कहा, नमाज, अजान, रोजा, हिजाब, उलमा और यहां तक निकाह और तलाक जैसे शरियत के गंभीर मसलों पर कॉमेडी वीडियो बन रहे है।

गोरा ने अफसोस जताया कि कई मुस्लिम युवक युवतियां बिना सोचे समझे इसतरह के वीडियो को लाइक शेयर या कमेंट करके उसका प्रचार करते हैं। मौलाना ने कहा कि शरीयत के अनुसार इस तरह की मजाकिया बातों को देखना हंसना या दूसरों को दिखाना भी बड़ा गुनाह है। गोरा ने अपील कर कहा अगर कोई नादानी में ऐसा कुछ कर भी चुका है, तब फौरन तौबा करे। इस्लाम मजाक का विषय नहीं है बल्कि यह एक बड़ी अमानत है। इससे पहले भी कई इस्लामी विद्वान सोशल मीडिया पर इसतरह के ट्रेंड्स पर चिंता जता चुके हैं। दारुल उलूम देवबंद सहित कई प्रमुख संस्थानों ने इस बारे में फतवे भी जारी किए हैं। अब मौलाना गोरा का बयान मुद्दे पर चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

लालू-नीतीश ने अपने शासनकाल में पूरे बिहार को मजदूरों का राज्य बनाया : प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक और पूर्व रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल (यूनाइटेड) पर निशाना साधकर कहा कि इनके शासन में बिहार मजदूरों का राज्य बना है। किशोर ने कहा कि बिहार में गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी को खत्म करने का एकमात्र उपाय शिक्षा है। लालू-नीतीश के बीते 30-35 सालों के शासन ने पूरे बिहार को मजदूरों का राज्य बनाया है। यहां के बच्चे अपनी पीठ पर बोरा ढोने को मजबूर हैं। जन सुराज की विचारधारा यह है कि बिहार के बच्चे अपनी पीठ पर बोरा नहीं, बल्कि स्कूल बैग उठाएंगे, अच्छी जिंदगी जीएं।

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जन सुराज को आम चुनाव चिन्ह के रूप में स्कूल बैग आवंटित किया है। फैसले का स्वागत कर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि राज्य में गरीबी, निरक्षरता और बेरोजगारी को खत्म करने के लिए शिक्षा ही सबसे महत्वपूर्ण हथियार है। इससे पहले, एक साक्षात्कार में पीके ने कहा कि केंद्र में पीएम मोदी के 11 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद बिहार गरीबी, भुखमरी और लाचारी से जूझ रहा है।

उन्होंने सवाल किया, हम अभी भी भूख, गरीबी और लाचारी का सामना कर रहे हैं। हम इस सरकार से पूछते हैं, राज्य में बीस साल और केंद्र में ग्यारह साल सत्ता में रहने के बाद, आप एक भी ऐसा क्षेत्र बताइए जहां बिहार राष्ट्रीय स्तर पर नंबर एक पर है?

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने जताई चिंता

कहा- छोटी पार्टियों को होगा नुकसान, बड़ी पार्टियों के पास होता है पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने वन नेशन, वन इलेक्शन कराने की योजना पर चिंताएं जताई हैं। उन्होंने इसपर विचार के लिए बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कहा कि छोटी और राष्ट्रीय पार्टियों को बराबरी का मौका मिलना चाहिए। उनका मानना है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो छोटी पार्टियां पिछड़ जाएंगी। जेपीसी इस मामले पर विचार कर रही है और 11 जुलाई को पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेएस खेहर से बात करेगी।

केंद्र सरकार 2029 से एक साथ यानी वन नेशन, वन इलेक्शन कराने पर विचार कर रही है, ताकि चुनाव का खर्च कम हो और सरकारें विकास पर ध्यान दे सकें। मौजूदा परिस्थितियों में यह 2034 से ही पूरी तरह से लागू होने की संभावना है। कई पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं। उनका कहना है कि इससे लोकतंत्र और संघीय ढांचे को नुकसान होगा।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने जेपीसी को बताया कि एक साथ चुनाव

कराने से छोटी पार्टियों को नुकसान होगा। क्योंकि बड़ी पार्टियों के पास ज्यादा पैसा होता है, जिससे वे चुनाव में आगे रहती हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के नियमों को मजबूत करना चाहिए, खासकर पैसे के मामले में। अभी उम्मीदवारों के खर्च की सीमा है, लेकिन पार्टियों के खर्च की कोई सीमा नहीं है। इससे बड़ी पार्टियों को फायदा होता है।

उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा या विधानसभा कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग हो जाती है, तो दोबारा चुनाव होने चाहिए। इससे लोगों को हमेशा अपना प्रतिनिधि चुनने का मौका मिलता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन तभी करेगा, जब सरकार के हर स्तर पर गैर-समकालिक चुनाव संविधान का मूल तत्व हो। चंद्रचूड़ ने अविश्वास प्रस्ताव पर कहा कि संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद को हमेशा सदन का समर्थन मिलना चाहिए। अगर अविश्वास प्रस्ताव लाने पर समय की पाबंदी होगी, तो यह सिद्धांत कमजोर हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत मिलना मुश्किल होता है। अगर अविश्वास प्रस्ताव, विश्वास प्रस्ताव पर निर्भर है, तो अल्पसंख्यक सरकार के सत्ता में बने रहने की संभावना है। यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ है। जेपीसी अभी विधेयक की जांच कर रही है। इस बिल में अनुच्छेद 82(ए) जोड़ने का प्रस्ताव है, जो लोकसभा और विधानसभाओं के एक साथ चुनाव से जुड़ा है। इसके अलावा अनुच्छेद 83, 172 और 327 में भी बदलाव करने की बात है। ये बदलाव 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद लागू होंगे और एक साथ चुनाव 2034 से शुरू हो सकते हैं।

बता दें आजादी के बाद 1952 से 1967 तक देश में एक साथ चुनाव हुए थे, लेकिन बाद में लोकसभा और विधानसभाएं समय से पहले भंग होने लगीं, जिससे चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। कई समितियों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है, लेकिन कुछ दिक्कतें भी बताई हैं।

ममता को डर... बांग्लादेशी घुसपैठियों वाला उनका वोट बैंक खत्म हो जाएगा

बीजेपी नेताओं ने निर्वाचन आयोग के नए फैसले का स्वागत किया

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के नए मतदाता सूची संशोधन नियमों पर नकारात्मक टिप्पणियां उनके हार के डर को दिखा रही हैं। उन्हें डर हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का उनका समर्पित वोट बैंक खतरे में आ सकता है। ममता ने कहा कि ईसीआई के नए दिशानिर्देश इस साल बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जारी हुए हैं, लेकिन वास्तव में ये नियम मुख्य रूप से बंगाल को निशाना बनाते हैं, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। उन्होंने आशंका जाहिर कि हैं कि ये नए नियम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की दिशा में एक कदम हो सकते हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि ममता को यह डर सता रहा है कि लंबे समय से सत्ता का खुश भोगने में मददगार रहे अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए, जिसमें रोहिंग्या पृष्ठभूमि वाले लोग भी शामिल हैं, उन्हें अब हटाया जाएगा और इसलिए वे आयोग पर हमलावार हैं।

उन्होंने कहा, हम ईसीआई के दिशानिर्देशों का स्वागत करते हैं। हम चाहते हैं कि मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ा दिया जाए। हम बायोमैट्रिक चाहते हैं। ममता को डर है, क्योंकि उनके समर्पित वोट बैंक के कई लोग अब हटाए जाएंगे।

हाल ही में दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप उप-मंडल के न्यूटन दास नाम के व्यक्ति को आयोग ने भारत और बांग्लादेश दोनों की मतदाता सूचियों में शामिल पाया। इसके बाद उनका नाम भारत की मतदाता सूची से हटाया गया। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी ममता के ईसीआई के नियमों पर डर को लेकर उनकी टिप्पणियों पर तंज कसा।

उनके अनुसार, मुख्यमंत्री का यह आरोप कि ईसीआई के दिशानिर्देश एनआरसी लागू करने का पहला कदम है, यह हैरान करने वाला और गैर-जिम्मेदाराना है, क्योंकि आयोग की ऐसी प्रक्रियाएं वैधानिक और नियमित हैं, जिनका उद्देश्य बंगाल की मतदाता सूचियों में शामिल किया जाना था।

उद्धव और राज ठाकरे एक साथ मिलकर करेंगे हिंदी का विरोध

- सोशल मीडिया पर ठाकरें ब्रदर्स ने लिखा, महाराष्ट्र की जय हो

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किए जाने के मामले ने उद्धव और राज ठाकरे को एक बार फिर साथ आने का मौका प्रदान किया है। इस मुद्दे को लेकर उद्धव और राज ठाकरे एक साथ मिलकर आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। इसकी जानकारी स्वयं शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दी है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फोटो शेयर किया। इसमें उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, महाराष्ट्र के स्कूलों में अनिवार्य हिंदी के खिलाफ एकजुट प्रदर्शन होगा। ठाकरे ही ब्रांड हैं। इसके अलावा राउत ने एक अन्य पोस्ट भी शेयर की और इस तस्वीर में उद्धव और राज ठाकरे एक साथ खड़े हुए दिख रहे हैं, जबकि उनके पीछे बाला साहेब ठाकरे की तस्वीर दिख

रही है। उन्होंने इस फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, महाराष्ट्र की जय हो।हिंदी भाषा पर महाराष्ट्र की राजनीति में घमासान मचा हुआ है। स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य किया गया है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राज ठाकरे ने मुंबई में 6 जुलाई को मार्च का आह्वान किया था और उद्धव ठाकरे ने 7 जुलाई को मुंबई के आजाद मैदान में आंदोलन की घोषणा की थी, लेकिन अब संजय राउत ने बताया है कि वे दोनों एक साथ आंदोलन करेंगे। इससे पहले, शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र सरकार पर हिंदी भाषा को जबरदस्ती थोपने का आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने एक बयान में कहा था, वर्तमान सरकार राज्य पर हिंदी लादने की कोशिश कर रही है। उनका किसी भाषा या हिंदी भाषी समुदाय से कोई विरोध नहीं है, बल्कि वह जबरन किसी भाषा को थोपने के खिलाफ हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि बीजेपी की बांटने और काटने की नीति स्पष्ट है। वह मराठी और अन्य भाषियों के बीच जो एकता है, उसे खत्म करने की कोशिश कर रही है।

नीले ड्रम में लाश: लुधियाना हत्याकांड का हुआ पर्दाफाश, महिला समेत चार आरोपी गिरफ्तार

-आरोपियों में दो नाबालिग भी शामिल

लुधियाना(एजेंसी)। लुधियाना के शेरपुर इलाके में नीले ड्रम में बंद लाश मिलने के बाद सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने इस अंधे कत्ल का पर्दाफाश करते हुए एक महिला समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन आरोपियों में दो नाबालिग लड़के भी शामिल हैं। पुलिस ने इन पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जानकारी अनुसार, नीले ड्रम से कल जो लाश मिली थी उसकी पहचान लुधियाना के भारती कॉलोनी, गली नंबर 5 में निवास करने वाले मनोज उर्फ राजू के तौर पर हुई है। पुलिस ने लाश को जब नीले रंग के ड्रम से बरामद किया था तब ही इस बात का ऐहसास हो गया था कि हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई है। दरअसल ड्रम में लाश को रख कर उसे एक खाली प्लॉट में फेंक दिया गया था। इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में कामयाब रही पुलिस ने अपनी जांच में पाया कि वारदात वाली रात को सभी आरोपी शराब के नशे में चूर थे। नशे की हालत में आरोपियों ने मनोज के साथ मारपीट की और उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। जब वह बेसुध हो जमीन पर गिर गया तब कुछ देर बाद ही उसकी घटनास्थल पर ही मौत भी हो गई। उसकी मौत से आरोपी बुरी तरह घबरा गए और रातभर लाश को उसके अपने कमरे में रहने ही रहने दिया। इसके बाद अगले दिन सुबह मौका देख आरोपियों ने लाश को रस्सी से बांध एक नीले रंग के ड्रम में पैक किया। इसके बाद एक ई-रिक्शा की मदद से लाश वाले ड्रम को शेरपुर के एक सुनसान खाली प्लॉट में फेंक कर चले गए। जब लोगों ने खाली प्लाट में नीले ड्रम को देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जब ड्रम खोल कर देखा गया तो उसमें लाश नजर आई। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने पुलिस अधिकारी करनवीर सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सबसे पहले सेफ सिटी प्रोजेक्ट के कैमरों के फुटेज खंगाले और तभी पुलिस की नजर ई-रिक्शे पर गई, जिसमें नीला ड्रम ले जाते कुछ लोग नजर आए। इसके बाद पुलिस ने ई-रिक्शा चालक रोहित को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। जब सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने पूरे मामले का खुलासा कर दिया। उसके द्वारा प्राप्त जानकारी को आधार बना पुलिस ने 6 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया और इसी के साथ गिरफ्तारियां की गईं। आरोपियों में महिला ऊषा देवी के साथ ही फागू प्रसाद, नीरज कुमार और सीटू कुमार शामिल बताए गए हैं, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके अलावा दो अन्य आरोपी जयवीर और विशाल नाबालिग बताए गए हैं, जिनके खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

कोर्ट में पेश कर आरोपियों को लिया रिमांड पर

पुलिस ने चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश करते हुए रिमांड पर ले लिया है। अब पुलिस यह मालूम करने में जुटी है कि इस निर्मम हत्या के पीछे की असल वजह क्या थी। फिलाहाल आपस में झगड़े की बात सामने निकल कर आई है, लेकिन पुलिस की टीम हर संभावित एंगल से मामले की जांच कर रही है।

'इसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती', भारत-पाक मैच पर बोले पर रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों और खिलाड़ियों में उत्साह और चर्चा बेजोड़ है, क्योंकि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ऐसे कई मैचों का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने माना कि इन मुकाबलों से पहले का माहौल बेजोड़ होता है। टी20 विश्व कप 2024 में दोनों के बीच हुए मुकाबले को याद करते हुए रोहित ने कहा कि मैच से पहले का माहौल किसी उत्सव जैसा था, जो उनके होटल से शुरू होकर स्टेडियम तक फैला हुआ था। भारत ने कम स्कोर वाले रोमांचक मैच 6 रन से मैच जीता, जिसमें जसप्रीत बुमराह ने 14 रन देकर 3 विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

रोहित ने कहा, 'भारत बनाम पाकिस्तान मैच से पहले हमें बताया गया कि कोई खतरा है - कुछ चल रहा है। इसलिए, खेल से दो दिन पहले, हमें होटल से बाहर निकलने की अनुमति नहीं थी। वहां से माहौल बनना शुरू हुआ। हम खाने का ऑर्डर दे रहे थे, और होटल इतना भरा हुआ था कि आप मुश्किल से चल पा रहे थे। प्रशंसक, मीडिया - हर कोई वहां था। तब आपको एहसास होता है कि यह कोई आम मैच नहीं है, कुछ खास होने वाला है।'

उन्होंने कहा, 'जैसे ही हम स्टेडियम के पास पहुंचे, यह पहले से ही एक उत्सव जैसा लग रहा था, भारतीय प्रशंसक, पाकिस्तानी प्रशंसक, सभी नाच रहे थे और आनंद ले रहे थे। मैंने अब तक बहुत सारे भारत-पाकिस्तान मैच खेले हैं, मैं गिनती भूल गया हूं, लेकिन मैच से पहले की वह ऊर्जा, वह एहसास... यह हमेशा कुछ और ही होता है। इसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।'

मैच में भारत को विराट कोहली (4), रोहित (13) और अक्षर पटेल (20) के रूप में शुरुआती झटके लगे, लेकिन ऋषभ पंत ने 31 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 42 रनों की निर्णायक पारी खेली और टीम को 119 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया, क्योंकि मध्य क्रम में कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका। पंत के प्रयासों की सराहना करते हुए रोहित ने कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अपनी क्षमता के अनुसार खेला और चुनौतीपूर्ण सतह पर टीम को जीवंत रखा।

उन्होंने कहा, 'हम चाहते थे कि ऋषभ ऋषभ ही रहे। पंत वे सभी चीजें करें जो वह सबसे अच्छा करते हैं, गेंदबाजों को परेशान करें, खुलकर खेलें। उन्होंने यह पूरी तरह से किया। उनकी पारी लगभग 42 रन की थी, और उस पिच पर, यह 70 रन बनाने के बराबर है। यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण सतह थी, हमेशा कुछ न कुछ हो रहा था।'

रोहित ने कहा, 'वहां का स्कोर शायद 130 या 140 था। हम 119 रन बनाकर आउट हुए। हमारी योजना 200 रन बनाने की नहीं थी - हम 140 रन बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे थे। लेकिन निश्चित रूप से, हमने इस दौरान विकेट गंवाए। और तभी ऋषभ ने 40

से अधिक रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिसने वास्तव में मैच को संभाला। आखिरकार, हम 119 रन पर आउट हो गए और मुझे वास्तव में लगा कि यह अभी भी एक अच्छा स्कोर हो सकता है। शायद 10-15 रन कम, लेकिन मुझे पता था कि अगर हमें नई गेंद से 2-3 शुरुआती विकेट मिल गए तो 119 रन 160 रन जैसा लगने लगेगा।'

जडेजा का करियर भी समाप्त होता नजर आ रहा

मुम्बई (एजेंसी)। रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बाद अब लगता है कि स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का टेस्ट करियर भी समाप्त हो सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में जिस प्रकार करुण नायर की वापसी हुई है और साई सुदर्शन ने डेब्यू किया है। उससे अब जडेजा के लिए जगह बनना कठिन होता जा रहा है। विदेश दौरे पर आम तौर पर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में एक ही स्पिनर होता है। ऐसे में जडेजा को कुलदीप यादव से कड़ी टक्कर मिल रही है। पहले टेस्ट में जडेजा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इससे ऐसा लगता है कि ये उनका अंतिम विदेश दौरा हो सकता है।

जडेजा अभी टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर है पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं रही है। वह पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही असफल रहे। उन्होंने पहली पारी में 11 और दूसरी में नाबाद 25 रन बनाए। गेंदबाजी में उन्हें सिर्फ दूसरी पारी में एक विकेट मिला। ऐसे में कहा जा रहा है अगर पहले टेस्ट मैच में जडेजा की जगह कुलदीप होते तो भारतीय गेंदबाज हावी रहते।

जडेजा टीम इंडिया के एकमात्र खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका टेस्ट करियर 15 साल से अधिक पुराना हो गया हे। उनकी उम्र भी 36 के करीब है। वह एके बेहतरीन क्षेत्ररक्षक रहे हैं पर वहां भी वह असफल रहे। उन्होंने पहले टेस्ट मैच में एक कैच भी छोड़ा था। ऐसे में अब उनपर दबाव भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में वह इस दौरे में टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दें तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिये। इससे पहले अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के कारण संन्यास ले लिया था।

शास्त्री बोले, बीसीसीआई को अधिक हिस्सेदारी दे आईसीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कुल राजस्व में से और अधिक हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री के अनुसार आईसीसी की सबसे ज्यादा कमाई भारत से होती है, ऐसे में बीसीसीआई अधिक रकम की अधिकारी है। उनका कहना है कि भारत से आईसीसी को कुल राजस्व का 38.5 फीसदी हिस्सा मिलता है और ये इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाले राजस्व से ज्यादा है। शास्त्री का कहना है कि जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलती है तो टीवी राइट्स और कमाई काफी बढ़ जाती है। इसलिए भारत को सबसे बड़ा हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री ने कहा, भारत को आईसीसी की के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना बढ़त होती है। टीवी से हो रही इस कमाई के आंकड़ों को देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए भारतीय बोर्ड को अधिक रकम मिलनी चाहिये। उन्होंने कहा, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। यह सब अर्थव्यवस्था पर निर्भर करता है। अगर कोई और देश की अर्थव्यवस्था भारत से अच्छी हो जाएगी तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में होता था, उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी अन्य देश को जाता था। इसलिए अब इसम मामले में भारतीय बोर्ड को अधिक राशि की मांग करनी चाहिये। भारत क्रिकेट के मामले में विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है, जिसका श्रेय देश में क्रिकेट के प्रति लोगों का प्यार और जुनून है। आईपीएल शुरु होने के बाद तो खेल के प्रति दीवानगी और भी बढ़ गयी। आईसीसी के राजस्व मॉडल के अनुसार, 88 फीसदी से अधिक राजस्व 12 पूर्ण सदस्य (टेस्ट खेलने वाले) देशों के बीच बांटा जाता है। इसमें से, 48.2 फीसदी हिस्सा , भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बांटा जाता है।

बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय तेज गेंदबाजों को देना होगा लाइन और लेंथ पर ध्यान

बेंगलुरू (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह अगर इंग्लैंड के खिलाफ अगले सप्ताह बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाते हैं तो भारत की परेशानियां बढ़ना तय है और ऐसे में अन्य तेज गेंदबाजों का अपनी लाइन और लेंथ पर नियंत्रण बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। बुमराह की अनुपस्थिति भारत को कितनी भारी पड़ सकती है इसका एक नजारा लीड्स में पहले टेस्ट मैच के 65वें और 82वें ओवर के बीच देखने को मिला जब इस तेज गेंदबाज ने गेंदबाजी नहीं की थी। इंग्लैंड ने यह मैच पांच विकेट से जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की।

जब बुमराह ने 19-3-57-0 के कुल गेंदबाजी विश्लेषण के साथ उस स्पेल का अंत किया, तब 371 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे इंग्लैंड का स्कोर चार विकेट पर 286 रन था और उन्हें एक और ओवर के लिए नहीं बुलाया गया। शायद, कप्तान शुभमन गिल उन्हें दूसरी नई गेंद के लिए बचाकर रखना चाहते थे, जो 15 ओवर बाद ली जानी थी और यह भारत के अपने प्रमुख तेज गेंदबाज के कार्यभार प्रबंधन योजना के अनुरूप भी था।

इंग्लैंड अभी भी जीत से 85 रन दूर था और अगर इन ओवर में कुछ विकेट गिर जाते तो 80वें ओवर में बुमराह की वापसी के लिए पूरी तरह से मंच तैयार हो जाता। लेकिन जब तक 80 ओवर हुए तब तक इंग्लैंड ने पांच विकेट पर 349 रन बना लिए थे। उसने इन 15 ओवर में 63 रन बनाए थे, जो कि प्रति

ओवर चार रन से अधिक की दर थी। ऐसे में बुमराह के लिए भी स्थिति को संभालना संभव नहीं था।

अब भारत को एजबेस्टन में 31 वर्षीय बुमराह की अनुपस्थिति की वास्तविकता के साथ समझौता करना होगा। भारत के अन्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर टुकड़ों में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए। ऐसी स्थिति में अगर बुमराह दूसरा टेस्ट मैच नहीं खेल पाते हैं तो इन गेंदबाजों विशेष कर सिराज और प्रसिद्ध को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्हें विशेष कर अपनी लाइन और लेंथ पर ध्यान देना होगा। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश का मानना है कि प्रसिद्ध बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, बशर्ते वह अपने दृष्टिकोण में कुछ मामूली बदलाव करें। गणेश ने कहा, 'प्रसिद्ध हमेशा से विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं, लेकिन उन्हें कुछ निरंतरता के साथ गेंदबाजी करने की जरूरत है। उन्हें उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है जहां वे गेंदबाजी करते हैं। इससे उन्हें अधिक मेडन ओवर फेंकने में मदद मिलेगी, खासकर तब जब गेंद पुरानी हो जाएगी। इंग्लैंड में गेंद परिस्थितियों के कारण थोड़ी स्विंग करती है। उन्हें बस बुमराह की तरह लगातार लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करनी होगी। उन्हें बस ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।'

आर्चर को दूसरे टेस्ट में उतारे जाने के पक्ष में नहीं वॉन और फारब्रेस

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और ससेक्स के कोच पॉल फारब्रेस ने कहा है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अभी कुछ अभ्यास मैच खेलने दें और दूसरे ही टेस्ट में न उतारें। आर्चर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर है ऐसे में उन्हें एकदम से उतारना ठीक नहीं है। आर्चर ने चार साल बाद डरहम के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिए खेलते हुए 18 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया जिसके बाद से ही ये अटकलें हैं कि उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिल सकती है। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में संकेत दिया था कि आर्चर 2 जुलाई से एजबेस्टन में होने वाले भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। वहीं वॉन ने कहा, 'चार साल बाद लंबे फॉर्मेट में लौटे खिलाड़ी को एक ही मैच के आधार पर टेस्ट में नहीं रखा जा सकता। वॉन ने सुझाव दिया कि आर्चर को एक और चार दिवसीय मैच खेलने देना चाहिए जिससे वे लय में लौटें। वॉन ने जोड़ा, 'डरहम के खिलाफ उन्होंने ठीक गेंदबाजी की, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तीव्रता काउंटी मुकाबलों से बिल्कुल अलग होती है।' ससेक्स के कोच फारब्रेस भी वॉन से सहमत है। उन्होंने भी चयनकर्ताओं से कहा, 'मेरी सलाह होगी कि आर्चर को तीसरे टेस्ट के लिए संभाल कर रखा जाए। उन्होंने कहा कि आर्चर ने अब तक सिर्फ 18 ओवर फेंके हैं और ऐसे में सीधे टेस्ट क्रिकेट में उतरना जोखिम भरा हो सकता है। फारब्रेस ने यह भी कहा कि आर्चर की लय शानदार है और उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की, लेकिन लगातार खेलने की आदत और मैच फिटनेस के लिए थोड़ा और समय देना जरूरी है।'

वैभव के बाद उभरा एक और नया सितारा हरवंश पंगालिया

मुम्बई । वैभव सूर्यवंशी के बाद अब एक और भविष्य का नया सितारा उभर रहा है। ये है बल्लेबाज हरवंश पंगालिया। हरवंश ने इंग्लैंड दौरे में यंग लॉयन्स के खिलाफ अपनी पारी से सभी को हैरान कर दिया है। हरवंश की बल्लेबाजी से ही भारतीय अंडर-15 टीम ये मैच जीतने में सफल भी रही। लफबरो में खेले गए इस वनडे मुकाबले में जब कप्तान आयुष म्हात्रे 1 और वैभव 17 रन ही बना सके। तो ऐसे समय में हरवंश ने आक्रामक बल्लेबाजी कर नाबाद 103 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने 52 गेंद की अपनी पारी में 8 चौके, 9 छक्के लगाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड यंग लॉयन्स के गेंदबाजों की लय बिगड़ गयी। हरवंश की इस पारी से साफ हो गया है कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हरवंश के पिता एक ट्रक ड्राइवर हैं और उनका परिवार अब कनाडा में रह रहा है। हरवंश के अलावा इस मैच में राहुल कुमार ने 73 रन, कनिष्क चौहान ने 79 रन और आर.एस. अम्बरीश ने 72 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में दीपेश देवेन्द्रन ने 3 विकेट लिए नमन पुष्पक और विहान मल्होत्रा ने 2-2 विकेट लिए। ऐस में तय है कि आने वाले समय में भारतीय टीम में जगह पाने के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

बांग्लादेश/श्रीलंका : जयसूर्या, डिसिल्वा का कहर, बांग्लादेश हार की कगार पर

कोलंबो (एजेंसी)। प्रभात जयसूर्या और धनंजय डिसिल्वा (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन बांग्लादेश के दूसरी पारी में 115 रन के स्कोर पर छह विकेट झटक अपनी जीत सुनिश्चित कर ली है।

श्रीलंका ने कल के दो विकेट पर 290 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह श्रीलंका का तीसरा विकेट सुबह के सत्र में पथुम निसंका के रूप में गिरा। पथुम निसंका ने 254 गेंदों में 19 चौकों की मदद से 158 रनों की पारी खेली। इसके थोड़ी देर बाद तैजुल इस्लाम ने कप्तान धनंजय डिसिल्वा (सात) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कुसल मेंडिस को छोड़कर श्रीलंका के अन्य बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके।

प्रभात जयसूर्या (10) को नाहिद

राणा ने आउट किया। सोनल दिनुशा (11), थरिंडु रत्नायके (10) रन बनाकर आउट हुए। कुसल मेंडिस ने 87 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से (84) रनों की पारी खेली। श्रीलंका की पूरी टीम ने 116.5 ओवर में 458 रन बनाये और 211 रनों की बढ़त हासिल कर ली। बांग्लादेश की ओर से तैजुल इस्लाम ने पांच और नईम हसन ने तीन विकेट लिये। नाहिद राणा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत एक बार फिर अच्छी नहीं रही और उसने 31 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिए। अनामुल हक (19) और शादमान इस्लाम (12) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मोमिनुल हक (15) और नजमुल शांतो (19) को धनंजय डीसिल्वा ने अपना शिकार बना लिया।

बांग्लादेश का पांचवां विकेट मुशफिकुर रहीम (26) के रूप में गिरा। उन्हें प्रभात जयसूर्या ने बोल्ड आउट किया। आज के दिन का आखिरी विकेट मेहदी हसन मिराज (11) का गिरा उन्हें थरिंडु रत्नायके ने पगबाधा आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने समय बांग्लादेश 115 के स्कोर पर छह विकेट गवांकर हार की कगार पर है। लिटन कुमार दास (नाबाद 13) रन बनाकर क्रीज पर है। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या और धनजंय डिसिल्वा ने दो-दो विकेट लिए। असिता फर्नांडो और थरिंडु रत्नायके ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ट्विंकल चौधरी डोपिंग में पॉजिटिव पाए जाने के लिए निलंबित, इस साल राष्ट्रीय खेलों जीता था गोल्ड

नई दिल्ली । राष्ट्रीय खेलों में कई पदक जीतने वाली मध्यम दूरी की धाविका ट्विंकल चौधरी को प्रतिबंधित स्टेरॉइड के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद 'एथलेटिक्स इंटीग्रिटी' इकाई (AE) ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इस 28 साल की धाविका ने साल के शुरू में उत्तराखंड में हुए राष्ट्रीय खेलों के चार गुणा 400 मीटर महिला रिले स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 800 मीटर दौड़ में रजत और चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले में कांस्य पदक भी जीता था। ट्विंकल को प्रतिबंधित एनाबोलिक स्टेरॉइड मिथाइलटेस्टोस्टेरोन का पॉजिटिव पाया गया है। एआईयू ने अपने अपडेट में कहा कि ट्विंकल को आरोपों का नोटिस जारी किया गया है। अगला कदम इस मामले की सुनवाई होगी जिसमें इस एथलीट को अपनी बात स्पष्ट करने का मौका मिलेगा। जालंधर की रहने वाली ट्विंकल ने अप्रैल में कोच्चि में 28वीं राष्ट्रीय महासंघ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 800 मीटर स्पर्धा में 2:00.71 सेकेंड के समय के साथ नया मीट रिकॉर्ड बनाया था। इस महीने के शुरू में उन्होंने ताइवान ओपन में 800 मीटर स्पर्धा में 2:06.96 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता था। मई में वह एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप की इसी स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही थीं। इस ताजा निलंबन से देश की मुसीबतें बढ़ना जारी है क्योंकि उसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डोपिंग का रिकॉर्ड बहुत खराब है। मई में भारतीय एथलीट स्नेहा कोलेरी को एनाबोलिक स्टेरॉइड स्टैनाजोलोल का पॉजिटिव पाए जाने के बाद निलंबित कर दिया था। हाल में जारी 2023 की जांच के आंकड़ों में जिन देशों ने 5000 या इससे अधिक नमूने की जांच कराई, उसमें भारत का रिकॉर्ड सबसे खराब रहा और उसका प्रतिशत 3.8 रहा था। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने 2023 में वैश्विक स्तर पर 204,809 नमूनों की जांच की थी जिनमें से 1,820 नमूने प्रतिबंधित पदार्थों के पॉजिटिव पाए गए थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में दिए गए फैसलों पर भड़के डैरेन सैमी, अंपायर पर लगाए गंभीर आरोप

बारबाडोस। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में थर्ड अंपायर के फैसलों को लेकर चर्चा हो रही है। पहले मुकाबले में दो दिन के खेल में लगातार विवादित फैसलों को बहस में बदल दिया है। वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि अंपायर के ऐसे फैसले खेल को नुकसान पहुंचा रहे हैं और शक की गुंजाइश पैदा कर रहे हैं। ब्रिजटाउन में ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट में अब तक चार ऐसे डीआरएस फैसले लिए गए हैं, जिन पर खिलाड़ियों, कोच और कमेंटेटरों तक ने सवाल खड़े किए हैं। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान, जब ट्रेविस हेड के बल्ले से शमार जोसेफ की गेंद पर हल्का अंदरूनी किनारा लगा और विकेटकीपर शाई होप ने कैच लपका तो मामला थर्ड अंपायर के पास गया। अल्ट्रा एज मेंबल्ले से गेंद को टकराते हुए साफ देखा गया और होप ने सॉफ्ट कैच भी पकड़ा लेकिन थर्ड अंपायर ने पर्याप्त सबूत नहीं बताते हुए हेड को नॉटआउट करार दे दिया। इसके बाद दूसरे दिन की शुरुआत में रोस्टन चेज को जॉश हेजलवुड की गेंद पर अपील के बाद नॉटआउट दिया गया था। डीआरएस में थर्ड अंपायर ने माना कि गेंद पहले बैट से लगी थी, इसलिए उन्हें नॉटआउट करार दिया गया, लेकिन उसके बाद 50वें ओवर में चेज फिर पैट कमिंस की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट दे दिए गए। इस बार डीआरएस में अल्ट्रा एज पर स्पाइक्स थे, यानी बल्ले से गेंद छूती दिख रही थी फिर भी थर्ड अंपायर ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच गैप था और चेज को आउट करार दिया गया। इस फैसले पर कमेंटेटर इयान बिशप ने ऑन-एयर कहा कि, मैं इस फैसले से सहमत नहीं हूं क्योंकि गेंद पहले बैट से लगी है।

नीरज चोपड़ा ने विश्व रैंकिंग में फिर से पहला स्थान हासिल किया, पाकिस्तान के

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विश्व चैंपियन और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन के बाद ग्रेनेडा के एंड्रसन पीटर्स से पुरुषों की भाला फेंक विश्व रैंकिंग में अपना पहला स्थान फिर से हासिल कर लिया। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार विश्व एथलेटिक्स ने इस सप्ताह की शुरुआत में रैंकिंग को अपडेट किया जिसमें पीटर्स के 1,431 अंकों की तुलना में नीरज के अंक बढ़कर 1,445 हो गए। इसके अलावा पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 1,370 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

दोहा डायमंड लीग में 91.06 का थ्रो फेंकने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के जैकब वडलेज पांचवें स्थान पर हैं, जो बहुत ही प्रभावशाली शीर्ष पांच में जगह बनाते हैं।नीरज ने पेरिस ओलंपिक के तुरंत बाद सितंबर 2024 में पीटर्स से अपना शीर्ष स्थान खो दिया था, जहां उन्होंने 89.45 के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया और पीटर्स ने कांस्य पदक जीता।

नीरज के लिए वर्ष 2025 अविश्वसनीय रहा है, क्योंकि उन्होंने अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पोच आमंत्रण में जीत के साथ शुरुआत की और इसके बाद दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे जहां उन्होंने 90.23 मीटर के थ्रो के साथ पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया। उन्होंने उसी महीने पोलैंड में जानूस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में भी दूसरा स्थान हासिल किया और इस महीने पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में 88.16 मीटर और 85.29 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयासों के साथ लगातार खिताब के साथ अपनी जीत की राह फिर से शुरू की। नीरज ने इस साल अपने सभी चार मुकाबलों में पीटर्स को पछाड़ा जिससे उनके ग्रेनेडा प्रतिद्वंद्वी पर उनका सिलसिला जारी है। पिछली बार वह 2022 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान उनसे पीछे रहे थे, जब नीरज को 88.39 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था जबकि पीटर्स ने 89.91 मीटर का शानदार थ्रो किया था। कुल मिलाकर टोक्यो 2020 के स्वर्ण पदक विजेता ने प्रमुख भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में पीटर्स पर 16-5 से बढ़त बना ली है। दोनों के 5 जुलाई को बेंगलुरु में नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट में एक और आमने-सामने होने की उम्मीद है।

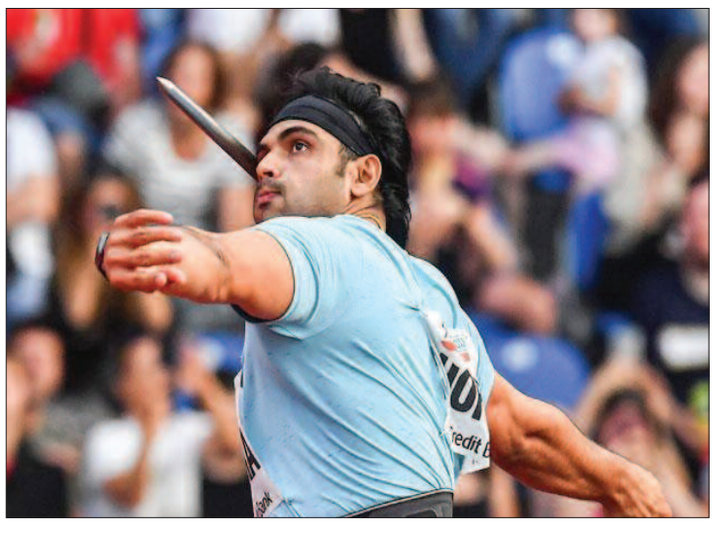

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के दौरान वेस्टइंडीज के क्रिकेटर पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क - राष्ट्रीय पुरुष टीम का हिस्सा रहे वेस्टइंडीज के एक क्रिकेटर पर बलात्कार और यौन उत्पीड़न सहित यौन दुराचार के कई गंभीर आरोप लगे हैं। इन आरोपों की रिपोर्ट सबसे पहले गुयाना के आउटलेट कैएटूर न्यूज ने की थी और बाद में स्पोर्ट्समैक्स टीवी ने इसे और बढ़ा दिया। इस घटना में कम से कम ग्यारह महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से एक कथित तौर पर किशोरी है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब वेस्टइंडीज की पुरुष टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की महत्वपूर्ण सीरीज खेल रही है जिसका पहला टेस्ट वर्तमान में केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में चल रहा है। मैदान पर शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम अब मैदान के बाहर की एक समस्या से जूझ रही है जिसके कानूनी और प्रतिष्ठा संबंधी बड़े परिणाम हो सकते हैं। मुख्य आरोप गुयाना के बर्बिस की एक युवती ने लगाया था। उसके बाद से कई अन्य महिलाएं भी सामने आई हैं, जिन्होंने यौन उत्पीड़न, अनुचित व्यवहार और उत्पीड़न की घटनाओं का आरोप लगाया है। कम से कम 11 महिलाओं ने आरोप लगाए हैं। एक अखबार ने क्रिकेटर को बचाने के उद्देश्य से संभावित कवर-अप का आरोप लगाया है। कई पीड़ितों का मानना है कि अधिकारियों ने जानबूझकर मामले को दबा दिया है।

काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी को कहा था हांटेड, विवाद बढ़ने पर दी सफाई

एक्ट्रेस काजोल को हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी को हांटेड कहने पर आलोचना का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने बयान को लेकर सफाई दी है। सोमवार को काजोल ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर लिखा, मैं अपनी फिल्म मां के प्रमोशन के दौरान दिए गए उस बयान को स्पष्ट करना चाहती हूं, जिसमें मैंने रामोजी फिल्म सिटी का जिक्र किया था।

काजोल ने कहा, मैंने कई प्रोजेक्ट्स की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में की है और वहां कई बार रुकी भी हूं। यह हमेशा एक बहुत प्रोफेशनल जगह रही है। मैंने वहां कई टूरिस्ट को एंजॉय करते हुए देखा है। यह एक शानदार डेस्टिनेशन है और बच्चों व परिवारों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है।

काजोल ने क्या कहा था?

बता दें कि गैलट्टा इंडिया को दिए इंटरव्यू में जब काजोल से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी नेगेटिव एनर्जी महसूस की है, तो उन्होंने कहा था, इसे आप नेगेटिव एनर्जी कहें या वाइब्स, लेकिन कभी-कभी जब आप किसी जगह पर जाते हैं, तो महसूस होता है कि कुछ ठीक नहीं है। मैंने ऐसी जगहों पर शूट किया है जहां मुझे पूरी रात नींद नहीं आई और लगा कि बस यहां से निकल जाऊं। ऐसी बहुत सी जगहें हैं। बातचीत में काजोल ने ये भी कहा था, एक प्रमुख उदाहरण है रामोजी राव स्टूडियो, जो दुनिया की सबसे हांटेड जगहों में गिना जाता है। हालांकि, मैं लकी रही हूं कि मुझे वहां कुछ भी ऐसा अनुभव नहीं हुआ। काजोल के इस बयान पर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। बता दें कि फिल्म मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को विशाल फुरिया ने डायरेक्ट और अजय देवगन, ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक ने प्रोड्यूस किया है।

जन नायकन से फिल्मों को अलविदा कहेंगे विजय

साउथ एक्टर थलापति विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने जन नायकन के लिए 275 करोड़ रुपए की फीस ली है। हालांकि, उन्हें फिल्म के प्रॉफिट में कोई हिस्सा नहीं मिलेगा। जन नायकन को एच विनोद ने डायरेक्ट और केवीएन प्रॉडक्शंस प्रोड्यूस किया है। विजय के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि ममिथा बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण और प्रियमणि सपोर्टिंग रोल्स में नजर आएंगे। फिल्म को पहली बार सितंबर 2024 में थलापति 69 के टाइटल के साथ अनाउंस किया गया था, क्योंकि यह विजय की 69वीं फिल्म है। आधिकारिक टाइटल जनवरी 2025 में सामने आया। इसकी शूटिंग फरवरी 2025 से चेन्नई और पयनूर में शुरू हुई। म्युजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। जन नायकन 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करियर को लेकर कन्फ्यूज़ थीं सान्विका

जॉब नहीं करना चाहती थीं

फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है और उनका पसंदीदा शो पंचायत का चौथा सीजन रिलीज हो चुका है। सीरीज में इस बार फुलेरा गांव में चुनाव का माहौल है। शो में एक बार फिर पुरानी कास्ट ही नजर आई है। इस बार कहानी में सचिव और रिंकी की लव स्टोरी आगे बढ़ती नजर आई है। शो के रिलीज होते ही एक बार फिर पंचायत की रिंकी यानी सान्विका चर्चाओं में आ गई हैं।

असली नाम नहीं था सान्विका

मध्यप्रदेश के जबलपुर में जन्मीं सान्विका को लोग उनके असली नाम से कम और पंचायत की रिंकी के नाम से ज्यादा जानते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि सान्विका का नाम पहले सान्विका नहीं था। ये नाम उनके माता-पिता ने नहीं बल्कि खुद उन्होंने रखा है। दरअसल, सान्विका का असली नाम पूजा सिंह था। लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर पूजा सिंह से सान्विका रख लिया। पंचायत के सीजन वन तक उन्होंने अपना ओरिजनल नाम पूजा सिंह ही रखा था।

इसलिए पूजा से बनीं सान्विका

एक इंटरव्यू में सान्विका ने खुद बताया कि आखिर क्यों उन्होंने अपना नाम बदला। इसके पीछे उनका कहना है कि नाम को लेक काफी कन्फ्यूजन हो रही थी, इसलिए ऐसा करना पड़ा। दरअसल, पंचायत के पहले सीजन में रिंकी की सिर्फ एक झलक दिखी थी। लेकिन इसके बाद ही लोग उनके बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक थे। लेकिन पूजा सिंह के नाम से सर्च करने पर किसी और अभिनेत्री की प्रोफाइल आती थी। यहां तक कि पंचायत के पहले सीजन की विकिपीडिया में भी किसी और अभिनेत्री की ही प्रोफाइल आती है। इसलिए इस कन्फ्यूजन को दूर करने के लिए उन्होंने अपना नाम पूजा से बदलकर सान्विका कर लिया। पंचायत से लोगों के बीच में मशहूर हुई सान्विका एक्टिंग की दुनिया में अपने माता-पिता से झूठ बोलकर आई हैं। उनके माता-पिता चाहते थे कि वो नौकरी करें, लेकिन सान्विका 9-5 की प्रॉपर जॉब नहीं करना चाहती थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वो अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर घर से निकली थीं। सान्विका का कहना है कि वो अपने करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं, बस वो जॉब नहीं करना चाहती थीं। फिर मुंबई में रह रही उनकी एक दोस्त ने उन्हें मुंबई आने को कहा। लेकिन ये इतना आसान नहीं था।

माता-पिता से झूठ बोलकर पहुंचीं मुंबई

सान्विका अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर मुंबई पहुंची थीं।

कुछ और प्रोजेक्ट्स में भी आई नजर, पंचायत से मिली पहचान

करियर की बात करें तो सान्विका 'हजामत', 'कैदी बंद' और 'प्लान ए प्लान बी' जैसे कुछ एक प्रोजेक्ट्स में भी नजर आई हैं। हालांकि, उन्हें पहचान पंचायत से ही मिली है। पहले सीजन में वो सिर्फ एक सीन को नजर आई थीं, लास्ट में जहां वो टंकी पर बैठकर सचिव जी के साथ चाय पीती हैं। इसके बाद दूसरे और तीसरे सीजन में रिंकी के किरदार को एक्सपोजर मिला और अब चौथे सीजन में रिंकी और सचिव जी की लव स्टोरी पूरी तरह से आगे बढ़ी है।

सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं रिंकी

पंचायत में काफी सिंपल नजर आईं रिंकी असल जिंदगी में उतनी सिंपल नहीं हैं। हालांकि, सान्विका सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 48 हजार से ज्यादा फॉलोअर हैं। हालांकि, सान्विका के इंस्टाग्राम पर सिर्फ 9 पोस्ट ही हैं। जिनमें कुछ पंचायत के प्रमोशन से जुड़े हुए हैं, जबकि कुछ उनकी अलग-अलग फोटोज हैं। सान्विका की कुछ एक बोल्ड फोटोज भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं।

इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात है

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी झलक जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। वैश्विक मंच पर टेलीविजन और फिल्म में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम में जैकलीन को पुरस्कार विजेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल किया गया। अपना आभार व्यक्त करते हुए, जैकलीन ने साझा किया कि उनके लिए सिनेमा, कहानी कहने से कहीं बढ़कर है। उन्होंने इसे एक शक्तिशाली माध्यम बताया जो समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ता है।

जैकलीन के लिए क्या है सिनेमा

जैकलीन ने आगे लिखा, मेरे लिए सिनेमा एक कला के रूप में सिर्फ कहानी सुनाना नहीं है, बल्कि समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ने का एक तरीका है। दुनिया के साथ इसे साझा करने में मदद करने के लिए स्वीकार किया जाना शब्दों से ज्यादा मायने रखता है! जैकलीन ने आगे लिखा, आगे जैकलीन ने लिखा, रिमिनी में आपके प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सभी असाधारण पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में सम्मानित होना सम्मान की बात थी। दुनिया भर में सिनेमा का जश्न मनाने के लिए हमारे पास और भी कई पल हैं।

जैकलीन का करियर

जैकलीन फर्नांडीज को हाल ही में कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में देखा गया था, जिसमें जैकलीन के अलावा अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपदे, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर भी थे। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज हुई थी।

जुग जुग जियो के 3 साल पूरे होने पर कियारा आडवाणी ने जताई खुशी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की फिल्म जुग जुग जियो को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने खुशी जताई और इसे खास अंदाज से सेलिब्रेट किया। कियारा ने फिल्म को अपनी जिंदगी का एक खुशियों भरा और यादगार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से उन्हें मुस्कुराहट, सीखने का मौका और कई अच्छे पल मिले। मंगलवार को, कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म से जुड़े डूडल फोटो को शेयर किया, जिसमें फिल्म के चारों मुख्य कलाकार वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर को कार्टून अवतार में दिखाया गया। एक्ट्रेस ने लिखा, 3 साल इस खूबसूरत फिल्म के, सबसे अच्छी टीम... सबसे मजेदार समय... जुग जुग जियो! उन्होंने इस पोस्ट में फिल्म के अपने सभी को-स्टार्स को भी टैग किया। जुग जुग जियो 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। जुग जुग जियो एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे राज मेहता ने डायरेक्ट किया था।

फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार को लेने पर मीका सिंह ने की दिलजीत की आलोचना

अभिनेता और सिंगर दिलजीत दोसांझ फिल्म सरदार जी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस महीने रिलीज के लिए प्रस्तावित इस फिल्म का ट्रेलर जब से आया है, तब से दिलजीत की जमकर आलोचना हो रही है। दरअसल, इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर भी हैं, जिनकी झलक ट्रेलर में भी नजर आई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास आ चुकी है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी अभिनेत्री को अपनी फिल्म में जगह देने पर दिलजीत की आलोचना हो रही है। इस पर अब सिंगर मीका सिंह ने भी रिएक्शन दिया है। मीका सिंह ने मंगलवार को अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, देश पहले। दोस्तों, जैसा कि हम सभी जानते हैं, भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते इस समय ठीक नहीं चल रहे हैं। फिर भी कुछ लोग गैर-जिम्मेदाराना हरकतें कर रहे हैं। सीमा पार के कलाकारों से जुड़ा कोई भी कंटेंट जारी करने से पहले उन्हें दो बार सोचना चाहिए, खासकर जब हमारे देश की गरिमा की बात हो। आगे लिखा है, फवाद खान और वाणी कपूर की एक फिल्म थी जिसका हममें से कई लोगों ने विरोध किया था, लेकिन फिर भी कुछ लोगों को संदेश समझ में नहीं आ रहा है। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि एक नकली गायक, भारत में 10 शो करने के बाद, जिसमें हजारों प्रशंसकों ने टिकट खरीदे थे, अब गायब हो गया है, जिससे प्रशंसक धोखा खा गए और असहाय हो गए हैं। मीका सिंह ने कहीं भी दिलजीत दोसांझ का नाम नहीं लिया है। मगर, उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर जो पोस्ट शेयर किया है, उसमें दिलजीत की तस्वीर है। इससे साफ है कि मीका का इशारा दिलजीत की तरफ है। बताते चलें कि रविवार को सरदार जी 3 का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आईं। यह देखकर सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया। दरअसल, हानिया आमिर ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त भारत के बारे में भला-बुरा कहा था। इसी बात पर लोगों ने दिलजीत की फिल्म के बायकॉट की मांग शुरू कर दी। विवाद बढ़ा तो यह तय किया गया कि अब 'सरदार जी 3' भारत में रिलीज नहीं होगी। इसको सेंसर का सर्टिफिकेट नहीं मिला। दिलजीत की पंजाबी फिल्म ओवरसीज ही रिलीज हो रही है।

हार्दिक पांड्या के साथ डेटिंग की खबरों पर ईशा गुप्ता ने तोड़ी चुप्पी

बी-टाउन में अक्सर सेलेब्स के अफेयर और डेटिंग की खबरें फैलती रहती हैं। एक समय ईशा गुप्ता और हार्दिक पांड्या के बीच अफेयर की खबरें भी काफी सुर्खियों में रही थीं। अब इन खबरों पर ईशा ने सच्चाई बताई है। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता अपने बोल्ड लुक्स को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। अब ईशा गुप्ता ने उन दिनों को याद किया जब उनके और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी थीं। एक वक्त इन दोनों के अफेयर की काफी चर्चाएं थीं। हालांकि, दोनों सेलेब्स में से किसी ने भी कभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब कई वर्षों बाद अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने इस पर बात की और डेटिंग की खबरों की सच्चाई बताई है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, **R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18,** मो0.945688 4327 , **E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com** नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।